ISSN 2349-6614

नवम्बर 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

World Para Athletics CHAMPIONSHIPS NEW DELHI 2025

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025

भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
परंपराओं की रोशनी,
चांदी सा उजियारा
Happy Diwali
हिन्दुस्तान ज़िंक की ओर से
आपको और आपके परिवार को सुख-समृद्धि से भरी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ।
Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. | Contact No: +91 294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN L27204RJ1966PLC001208

नवम्बर 2025 वर्ष: 23 अंक: 07

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

अंदर के पृष्ठों पर...

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

बढ़ते कदम

बाजारों में जल्द ही स्वदेशी चिप की दस्तक
पेज 08

व्यक्तित्व

संसदीय लोकतंत्र के पोषक: पं. नेहरू
पेज 16

एशिया कप

अजेय भारत के आगे पाक का गुरुर चूर
पेज 20

सेहत

डायबिटिज़: कारण जानने से बचाव आसान
पेज 22

स्मरणांजलि

साहसी देशभक्त इंदिरा गांधी
पेज 32

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

अरविंद राजपूत,
डायरेक्टर

Mob.: 9602324389
8949599587

बड़ौदा नर्सरी

PLANTS

TREES

POTS

हमारे यहां पर
सभी प्रकार के
पेड़, पौधे व लॉन
घास, फल एवं
फूल संबंधी सभी
पौधे उपलब्ध हैं।

12–जे.पी. नगर, हिरणमगरी सेक्टर 8, उदयपुर 313002

अरिहन्त वाटिका

45,000 वर्ग फीट का हरा-भरा लॉन, आकर्षक विद्युत सज्जा

पार्किंग की
पूरी व्यवस्था

मीठे पानी
की सुविधा

12 कमरे व
2 हॉल उपलब्ध

मो.: 9414902400, 9414166467

सेन्ट ग्रिगोरियस स्कूल के पीछे, शनि महाराज मन्दिर के सामने, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर

मलते रह गए हाथ, फिसल गया शांति का श्रेय

वेनेजुएला में लोकतंत्रत की लौ जलाए रखने वाली विपक्षी पार्टी की नेता मारिया कोरिना मचाडो को शांति का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। इस पुरस्कार के लिए मौजूदा कार्यकाल के अलावा अपने प्रथम राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भी इसे पाने के लिए कई बार सार्वजनिक तौर पर अपनी मंशा जताने वाले अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाथ मलते रहते गए। नार्वे की नोबल समिति के अध्यक्ष जार्गन वाले ने वेनेजुएला में लोगों को लोक तांत्रिक अधिकार दिलाने के लिए पिछले 20 वर्षों से सत्ता के खिलाफ संघर्ष कर रही मारिया को यह विश्व प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की 10 अक्टूबर को घोषणा की। पिछले कुछ महीनों से तो राष्ट्रपति ट्रंप स्वयं को 'शांति का मसीहा' के रूप में महिमा मण्डित करने का कोई अवसर नहीं चूक रहे थे। यहां तक कि उनके इशारे पर अपनी रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं, पाकिस्तान, इजराइल समेत दुनिया के कुछ अन्य नेताओं द्वारा नोबेल समिति से इस पुरस्कार के लिए की गई वकालत भी नाकाम ही रही। ट्रंप ने दुनियाभर में संघर्षों को समाप्त करने का श्रेय लेते हुए इस सम्मान पर खुलकर अपनी दावेदारी पेश की थी। यहां यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि तीन अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने पद पर रहते हुए नोबेल शांति पुरस्कार हासिल किया, थियोडोर रूजवेल्ट को 1906 में, वुडरो विल्सन को 1919 में और बराक ओबामा को 2009 में ये पुरस्कार मिला था। जिमी कार्टर ने पद छोड़ने के पूरे दो दशक बाद 2002 में यह पुरस्कार जीता था। पूर्व उप राष्ट्रपति अल गोर को 2007 में यह पुरस्कार मिला था। ट्रंप चूक गए।

व्हाइट हाउस ने डोनाल्ड ट्रंप को पुरस्कार नहीं दिए जाने पर नोबेल समिति की आलोचना की। उसकी ओर से समिति पर आरोप लगाया गया कि उसने शांति की बजाय राजनीति को प्राथमिकता दी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने 'एक्स' पर लिखा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप शांति समझौते करते रहेंगे, युद्ध-संघर्ष को समाप्त करवाना और लोगों की जान बचाना जारी रखेंगे। उनका दिल मानवतावादी है, और उनके जैसा कोई और नहीं जो अपनी इच्छाशक्ति के बल पर पहाड़ों को हिला सके। उन्होंने लिखा कि नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि वह राजनीति को शांति से अधिक महत्व देती है।' बहरहाल मचाडो को एक एसी शख्सियत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने तमाम मुश्किलों और बाधाओं को अपने साहस एवं जज्बे से मात देकर शांति की राह पर आगे बढ़ने की सीख दी है। उन्हें एक ऐसी महिला के रूप में भी मान्यता मिली है, जो व्यवस्थागत अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखने में सक्षम है। इससे पहले उन्हें यूरोपीय संघ के सर्वोच्च मानवाधिकार पुरस्कार 'सखारोव' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

मारिया मचाडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के दौरान उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इससे पहले उन्होंने गहन तौर पर विभाजित रहे विपक्ष को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एक ऐसा विपक्ष खड़ा किया, जिसने स्वतंत्र चुनाव और प्रतिनिधि सरकार की मांग को समान रूप से उठाया। बाद में उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए। उनकी जान को गंभीर खतरा था, इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वे शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहीं। दूसरी ओर, नोबेल के लिए जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति लालायित थे, उससे पता चलता है कि यह किस तरह के नेताओं का दौर है। खुलकर मांग की जा रही थी कि उन्हें शांति का नोबेल मिलना चाहिए, क्योंकि उन्होंने बीते महीनों कथित रूप से करीब सात युद्धों को समाप्त कराया है। ट्रंप के समर्थकों ने भी नोबेल न मिलने पर नाराजगी का इजहार किया है। इस वर्ष नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नामाकन प्राप्त हुए, जिनमें 244 व्यक्ति और 94 संगठन शामिल थे। यह प्रशंसनीय है कि दुनिया में इतने लोग और संगठन शांति प्रयासों में लगे हैं, उनके प्रयासों में कमी नहीं आनी चाहिए। दुनिया चाहती है कि ट्रंप के प्रयासों में भी तेजी आए और जरूरी ईमानदारी भी। विशेषकर उन्हें यह सोचना चाहिए कि पाकिस्तान जैसे आतंकी-पोषक देश की निगाह में शांति दूत होना वास्तव में खुद को धोखा देने का समान है। हम चाहेंगे कि वे वस्तुत: उनके साथ खड़े हों जो सत्य, सहिष्णुता, सहअस्तित्व के हामी हैं, न कि विध्वंस और आतंक के प्रसारकों के साथ। जब वे इस दिशा में बढ़ेंगे तो शांति का पुरस्कार खुद चलकर उनके पास आएगा। नोबल पुरस्कार की घोषणा के बाद युद्धरत गाजा-इजराइल में ट्रंप द्वारा शांति की जो पहल की गई है, वह वस्तुत: प्रशंसनीय है, हालांकि अभी देखना बाकी है कि क्या यह स्थायी रह पाती है ?

अब न सुलगे लद्दाख वादों से न मुकरें

पंकजकुमार शर्मा

लद्दाख के लेह में जिस तरह के हालात हैं, उन्हें समझने और समाधान तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार को वहां के लोगों को सुनना होगा। चीन और पाकिस्तान की सीमा से सटे इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को कम करके नहीं आंका जा सकता। आंदोलनकारी नेता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी से ही समस्या नहीं सुलझेगी। लद्दाख के दर्द को महसूस भी करना होगा। सरकार को लगता है कि इस आंदोलन में विदेशी साजिश थी, तो वह उसकी जांच करे लेकिन जनता से किए वायदे भी पूरे करे। सितंबर के अतिंम सप्ताह में लेह में आंदोलन के दौरान लोगों के अराजक हो जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की जान चली गई और हिंसा में कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। फिर वहां के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करके लद्दाख से बाहर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई को लद्दाख में फिर अराजकता या किसी साजिश की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। मगर सवाल है कि अगर इस आंदोलन की पृष्ठभूमि पिछले कई वर्षों से बन रही थी, तो समय रहते संवाद और किसी ऐसे प्रारूप को तैयार करना सरकार को जरूरी क्यों नहीं लगा, जिसमें सभी पक्षों की सहमति हो। लेह में आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें वही थी, जिसके लिए उनसे वादा किया गया था। केंद्रशासित इस प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा

और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा देने की मांग के साथ शुरू हुए आंदोलन के मुद्दे नए नहीं थे। मगर लगातार इस मसले पर टालमटोल और वहां के संबंधित पक्षों से ठोस बातचीत को लेकर सरकार की उदासीनता ने एक ऐसी पृष्ठभूमि बनाई कि उसमें स्थानीय युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी शामिल हो गए। जाहिर है, एक ऐसी स्थिति बन रही थी, जिसमें आंदोलनकारियों के बीच मौजूद कुछ अवांछित तत्वों के अराजक हो जाने की आशंका थी। मगर न तो संवाद को प्राथमिकता देकर हल खोजने की कोशिश की गई और न ही स्थानीय आबादी को विश्वास में लिया गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन के समांतर व्यापक हिंसा हुई, मगर वहां के खुफिया तंत्र को शायद इसकी भनक नहीं लगी। जबकि हर संभावित परिस्थिति का आकलन करके जरूरी कदम उठाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्थानीय तकाजों के मुताबिक उठे मुद्दों की बहुस्तरीय अनदेखी और उसके प्रति उदासीनता का नतीजा यह हुआ कि पर्यटन को आकर्षित करने और शांतिपूर्ण जीवन तथा संस्कृति की पहचान वाले उस इलाके में हुए आंदोलन के बीच अराजकता और हिंसा ने भी अपने पांव फैला लिए। अब लेह के प्रदर्शनकारियों को लेकर कई तरह की आशंकाएं और संदेह जताए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि अब तक इस संबंध में सरकार ने जांच करने की जरूरत शायद नहीं समझी थी। अब भी अगर सरकार स्थानीय आबादी की मुख्य मांगों के संदर्भ में ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए, तो किसी भी साजिश को अंजाम देना संभव नहीं हो सकता !

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राष्ट्रपिता

महात्मा गांधी जी

व पूर्व प्रधानमंत्री

लाल बहादुर शास्त्री जी

की जयंती पर **शत्-शत् नमन**

2 अक्टूबर 2025

राजस्थान संवाद

महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन सत्य, त्याग और सेवा का प्रतीक है। गांधी जी का 'स्वच्छता- उत्कृष्ट सेवा' और शास्त्री जी का 'जय जवान- जय किसान' आज भी हमारे मार्गदर्शक हैं। इन महापुरुषों की जयंती पर प्रदेश की ओर से विनम्र नमन।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

सेमीकंडक्टर की दौड़ में भारत का फर्राटा

बाजारों में जल्द ही स्वदेशी चिप की दस्तक

अश्विनी वैष्णव

किसी भी राष्ट्र की तरक्की के लिए जरूरी है कि वह अपने विकास के प्रमुख क्षेत्रों स्टील, बिजली, दूरसंचार, रसायन और परिवहन आदि में महारत हासिल करे। सेमीकंडक्टर भी अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह लगभग हर चीज के अंदर छिपा है, चाहे वे स्मार्टफोन, कार, ट्रेन, मेडिकल डिवाइस हों या फिर एआई, रक्षा प्रणाली, पावर ग्रिड सेटेलाइट सेमीकंडक्टर के बिना डिजिटल अर्थव्यवस्था संभव नहीं है। इसके बिना आधुनिक संचार, डाटा प्रोसेसिंग, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा या सुरक्षित रक्षा प्रणाली की कल्पना नहीं की जा सकती। जो देश सेमीकंडक्टर का डिजाइन और उत्पादन नहीं कर सकता, वह स्वास्थ्य से लेकर सुरक्षा तक अपनी सेवाओं के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाता है। सेमीकंडक्टर में मजबूती पाना भविष्य को आकार देना है। कोविड महामारी ने हमें सेमीकंडक्टर की अहमियत बताई। उस समय जब चिप की ग्लोबल सप्लाई चेन डगमगाई तो तमाम उद्योगों का उत्पादन प्रभावित होने से अरबों रुपये का नुकसान हुआ। आज सेमीकंडक्टर वैश्विक राजनीति के केन्द्र में है। चिप बनाने का काम अभी कुछ सिर्फ कुछ गिने-चुने देशों में ही होता है। इसलिए जरा सी रूकावट पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। हाल में रेयर अर्थ मैग्नेट पर बढ़ता ध्यान हमें याद दिलाता है कि किस तरह महत्वपूर्ण संसाधनों पर नियंत्रण वैश्विक शक्ति का स्वरूप तय करता है। डिजिटल युग का सबसे अहम संसाधन बन चुके सेमीकंडक्टर की मांग और तेजी से बढ़ेगी। भारत में इलेक्ट्रोनिक्स की खपत और

उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारे पास 65 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन यूजर्स हैं और इलेक्ट्रोनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सालाना 12 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। हम एआई आधारित सिस्टम, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रिक वाहन भी विकसित कर रहे हैं, जिनमें चिप्स की जरूरत होती है। ऐसे में जरूरी है कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में अपनी मजबूत जगह बनाए। दशकों तक यह कहा जाता रहा कि सेमिकंडक्टर की दौड़ में भारत पीछे छूट गया है। अब यह सच नहीं। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 10 चिप प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। गुजरात के साणंद में एक यूनिट में पायलट प्रोडक्शन लाइन शुरू हो चुकी है। अगले साल चार और यूनिट्स में उत्पादन शुरु होने की उम्मीद है।एप्लाइड मटेरियल्स, लैम रिसर्च, मर्क और लिंडे जैसी ग्लोब कंपनियां भी भारत में फैक्ट्रियों और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने में निवेश कर रही हैं। भारत की असली ताकत उसके लोग हैं। आज भारत के पास वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। अनुमान है अगले दशक की शुरुआत तक दुनिया में 10 लाख से ज्यादा सेमीकंडक्टर प्रोफेशनल्स की कमी होगी। भारत इस कमी को पूरा करने की तैयारी कर रहा है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए विश्व स्तरीय इलेक्ट्रोनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स का उपयोग 350 संस्थाओं और स्टार्टअप्स के 60000 से अधिक लोग कर रहे हैं। 2025 में ही इनका इस्तेमाल 1.2 करोड़ घंटे से अधिक हो चुका है। सरकार के सपोर्ट से स्टार्टअप्स भारत के चिप डिजाइन इकोसिस्टम को नई ऊर्जा दे रहे हैं। माइंड ग्रोव टेक्नोलॉजीज ऐसी आईओटी चिप्स बना रही है, जो आईआईटी मद्रास में विकसित किए गए स्वदेशी 'शक्ति प्रोसेसर' पर आधारित है। नेत्रसेमी नामक स्टार्टअप ने हाल में 107 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड फंडिंग हासिल की है, जो भारत के डिजाइन स्पेस में सबसे बड़ा निवेश है । कई ऐसे स्टार्टअप सरकार की डिजाइन लिंक्ड इंसेटिव (डीएलआई) योजना के तहत विकसित हो रहे हैं। मोहाली की सेमीकंडक्टर लैबोरेट्री में 17 कॉलेजों के छात्रों ने अब तक 20 चिप्स बना लिए हैं। ग्लोबल कंपनियां भी भारतीय प्रतिभा में निवेश कर रही हैं। लैम रिसर्च भारत में 60000 इंजीनियरों को प्रशिक्षित करेगी। आईआईएससी, आईआईटी और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी से लैब से फैक्ट्री तक कार्यबल तैयार हो रहा है। भारत, अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ और सिंगापुर आदि से मिलकर केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए निर्माण करने में सक्षम बन रहा है।

(लेखक रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं।)

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

दीपावली के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

MEMBER J.K. ORGANISATION

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

बिहार के वोटरों को नहीं भाता तीसरा मोर्चा

बिहार में विधानसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। राज्य की 243 सीटों पर 6 और 11 नवम्बर को दो चरणों में मतदान होगा। पिछले तीन चुनाव में हर बार तीसरा विकल्प देने की कोशिश की गई, पर एक बार भी नहीं मिली दहाई सीटें । इस बार भी प्रशांत किशोर का दल जनसुराज मतदाताओं को एनडीए और महागठबंधन के बीच तीसरे मोर्चे का विकल्प देने में जुटा है। देखना यह है कि इस बार वोटरों के रूझान का ऊंट किस करवट बैठता है।

अमित शर्मा

बिहार के नतीजे देश की आगे की राजनीति को सीधे तौर पर प्रभावित करेंगे। इस चुनाव में पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम नीतिश कुमार के नेतृत्व वाले एनडीए और राहुल गांधी, तेजस्वी यादव की कप्तानी वाली महागठबंधन की प्रतिष्ठा दांव है।इतिहास गवाह है कि बिहार विधानसभा के चुनावी रण में मतदाताओं को अमूमन आमने-सामने की सीधी लड़ाई ही रास आती है। हर बार किसी न किसी रूप में तीसरा मोर्चा बनता जरूर है, मगर वह वोटरों का भरोसा नहीं जीत पाता। वर्ष 2005 के बाद हुए सभी विधानसभा चुनावों में एक बार भी थर्ड फ्रंट की सीटें या वोट प्रतिशत दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। इस बार भी प्रशांत किशोर का दल जनसुराज वोटरों को एनडीए और महागठबंधन के बीच तीसरे मोर्चे का विकल्प देने में जुटा है। देखना होगा कि इस बार ऊंट किस करवट बैठता है। वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे का मुकाबला रहा। दोनों ही दलो को लगभग साढ़े 37 प्रतिशत वोट शेयर मिला। इस चुनाव में आधिकारिक रूप से कोई तीसरा फ्रंट तो नहीं था, मगर चुनाव से ठीक पहले उपेन्द्र कुशवाहा के तत्कालीन दल रालोसपा, ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी जनता दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी समेत छह दलों ने मिलकर ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेकुलर फ्रंट बनाया था। इस गठबंधन को सात सीटें मिलीं, जिनमें एआईएमआईएम को छह जबकि बसपा को एक सीट पर जीत मिली। इनका वोट प्रतिशत करीब 4.5 प्रतिश रहा। इसके अलावा लोजपा भी पिछले चुनाव में एक फैक्टर रही। उसने भाजपा की उम्मीदवारी वाली सीटों को छोड़कर शेष 134 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, मगर इसमें महज एक सीट पर ही लोजपा को जीत मिल सकी।

चुनाव कार्यक्रम

	प्रथम चरण	दूसरा चरण
इतनी सीटों पर चुनाव	121	122
मतदान	6 नवम्बर	11 नवम्बर

परिणाम 14 नवम्बर

2010 में कांग्रेस तो 2015 में वामदलों का था तीसरा कोण

पिछले तीन-चार विधानसभा चुनाव देखें तो गठबंधनों के दल और दिल बदलते रहे हैं। वर्तमान में भले ही कांग्रेस और वामदल राजद के साथ मिलकर महागठबंधन को मजबूत कर रहे, मगर 2015 और 2010 में बारी-बारी से यह दोनों दल तीसरे मोर्चे की भूमिका में रह चुके हैं। 2015 के विधानसभा चुनाव में राजद, जदयू और कांग्रेस ने मिलकर महागठबंधन बनाया था। तीन बड़े दलों के होने के कारण वामदलों के लिए सीटों की गुंजाइश नहीं बची। नतीजा, वामदलों ने लेफ्ट फ्रंट से सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़कर तीसरा विकल्प वोटरों को दिया। इनमें सिर्फ भाकपा माले ही तीन सीटें जीत पाई। पूरे लेफ्ट फ्रंट को महज 3.7 प्रतिशत वोट की हिस्सेदारी मिली। इसी तरह 2010 के विधानसभा चुनाव में एनडीए में जदयू-भाजपा तो साथ थे, मगर राजद और लोजपा ने नया गठबंधन बनाकर चुनाव में किस्मत आजमाई । कांग्रेस ने इस गठबंधन से अलग सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़कर जनता को तीसरा विकल्प देने की कोशिश की, मगर संतोषजनक परिणाम नहीं आया। सभी सीटों पर लड़कर भी कांग्रेस को महज चार सीटें और 8.4 प्रतिशत वोट शेयर मिला। 2005 में लोजपा-भाकपा ने दिया था तीसरा विकल्प 2005 में विधानसभा के दो चुनाव हुए। फरवरी में चुनाव में लोजपा के पास 29 सीटों के साथ सत्ता की चाबी थी, मगर चाबी धरी की धरी रह गई। किसी को बहुमत नहीं मिलने से छह माह बाद अक्टूबर में दोबारा चुनाव हुए। इस चुनाव में एनडीए और यूपीए के सामने रामविलास पासवान की पार्टी लोजपा ने भाकपा से गठबंधन कर तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश की। इस चुनाव में ही - एनडीए और नीतिश शासनकाल की शुरुआत की। इस चुनाव में एनडीए को 143 सीटें, यूपीए को 65 सीटें जबकि लोजपा-भाकपा को 13 सीटों पर वोट शेयर मिले।

K.K. Kumawat
Director
9351255950, 8696935950

Nitin Kumawat,
Director
7877797770, 8955550020

Kumawat
Tiles & Sanitary House

Branch-1: Highway Main Road Bedwas, Pratapnagar, Udaipur (Raj.)
Branch-2: 130, B-Block, Nr. Kendriya Vidhyalaya EVM Happy Home School, Pratap Nagar

भीतर के तूफान से बचाएं खुशियों के तटबंध

भगवान प्रसाद गौड़

अकेलापन, उदासी भौतिक सुविधाओं की असीम चाह, पद-प्रतिष्ठा की कामना, परिस्थितियों से हार जाना, सिर्फ मन की सुनना, चिंतन और ध्यान में अरूचि - ये जीवन की कुछ ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जो तनाव, अवसाद में लाकर आदमी को मर्यादाएं लांघने या आत्महत्या के निर्णय तक पहुंचा देती हैं। ये सब मानसिक रूप से स्वस्थ न होने के लक्षण हैं, जिन पर समय रहते अंकुश लगाना आवश्यक है। इससे उबरने का एक ही रास्ता है- आत्म नियंत्रण

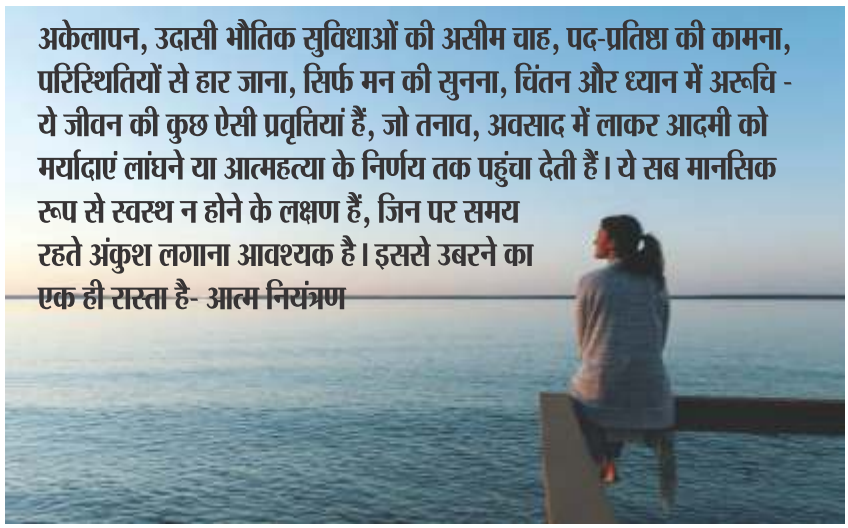

21वीं सदी में मानव ने तकनीक, विज्ञान और भौतिक सुख-सुविधाओं में अद्भुत प्रगति कर ली है, लेकिन इस दौड़ में सबसे बड़ा संकट उसी के मन की शांति और संतुलन पर आ गया है। हर वर्ग—बच्चे, युवा और बुजुर्ग—मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता से जूझ रहा है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर चौथा व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार का शिकार है। मनुष्य का असली स्वरूप उसका मन है, विचारों से ही उसके कर्म और व्यवहार आकार लेते हैं। जब विचार दूषित हो जाते हैं तो इंसान बुरा करने से नहीं हिचकता। यही कारण है कि हर रोज समाज में दिल दहला देने वाली घटनाएं होती हैं—कभी एक बच्चा क्रूरता का शिकार होता है, कभी कोई छात्र तो कभी अफसर अवसाद में आत्महत्या कर लेता है, कभी रिश्तों की मर्यादा भी तार-तार हो जाती है। मानसिक संकट का असर केवल आम जीवन पर ही नहीं बल्कि पेशेवर और सार्वजनिक जीवन पर भी दिखाई देने लगा है। हाल के वर्षों में कई बड़ी कंपनियों के उच्च पदस्थ अधिकारी मानसिक दबाव के कारण नौकरी छोड़ चुके हैं। कई राजनेता और बड़े पदों पर बैठे व्यक्ति भी तनाव और अवसाद की वजह से अचानक इस्तीफ़ा देने या मरने को मजबूर हुए हैं। यह इस बात का संकेत है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है। इस संकट की जड़ आधुनिक जीवनशैली, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, बिना मेहनत आगे बढ़ने की लालसा, सस्ती लोकप्रियता की होड़ और दिखावे की प्रवृत्ति है। सोशल मीडिया ने जीवन को आभासी मंच बना दिया है, जहाँ लोग खुश दिखते तो हैं, पर भीतर टूटे से हैं। शिक्षा प्रणाली भी केवल डिग्रियों और अंकों तक सीमित हो गई है, जहाँ मानसिक संतुलन और भावनात्मक मजबूती का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। कार्यस्थल पर लक्ष्य के दबाव में इंसान मशीन बनता जा रहा है। समाधान के लिए केवल विचार नहीं बल्कि ठोस योजना जरूरी है। शिक्षा में बदलाव लाकर पाठ्यक्रम में जीवन-कौशल और मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना होगा। कार्यस्थलों पर योग, ध्यान, परामर्श और टीम-बिल्डिंग कार्यक्रम—चलाए जाने चाहिए। परिवारों में पारस्परिक संवाद और अपनायत की वापसी भी जरूरी है। ताकि हर सदस्य अपनी बात कह सके और उन्हें सुना जा सके। धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं को सकारात्मक विचारों का प्रसार करना चाहिए। माना कि हम डिजिटल युग में जी रहे हैं लेकिन स्क्रीन टाइम पर नियंत्रण रखना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। मन की शुचिता ही सर्वोपरि है। यदि मन दूषित हो जाए तो विज्ञान और प्रगति के सूत्र भी विनाशकारी हो सकते हैं। स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज और राष्ट्र की नींव है। इसलिए समय की मांग है कि परिवार, संस्था और राष्ट्र नीति में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाए। अन्यथा एक ऐसा दौर आएगा जब भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य भीतर से पूरी तरह खोखला हो जाएगा।

प्रत्यूष
समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका
प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)
के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।
पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

Prateek Khicha, Director

KHICHA PHOSCHEM LTD.

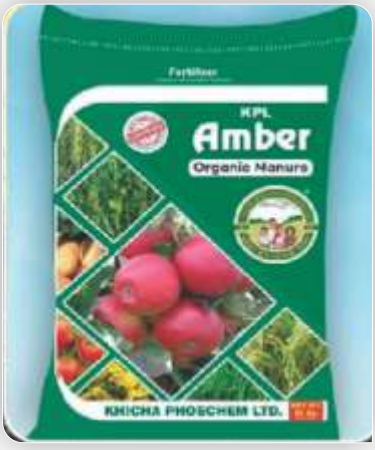

Manufactures & Suppliers of

Rock Phosphate, Gypsum, All other Minerals & Fertilizers
(Mining, Crushing, Grinding & Transport contractors)
Organic Fertilizer, Prom, Soil Conditioner,
Natural Organic Potash

Kisan Hoga Khushaal, Jab Karega Amber Khad Ka Istemal

204, Vinayak Business Centre, 2nd Floor, Fatehpura-Pura Road, Udaipur - 303001 (Raj.)
M.: 9829062804, 7737572626 E-mail: khichaphoschem@rediffmail.com
Works: Village Umra, Jhamar Kotra Road, Dist. Udaipur (Raj.)

आडबंर से लड़ती संत परम्परा

सदियों से गुरू नानक देव जी के बारे में जो जन-श्रुतियां प्रचलित रही हैं, उनसे मालूम होता है कि वह धर्म के बाहरी आडबंर और उसके ढकोसलों को महत्व नहीं देते थे। वह अंधविश्वास विरोधी थे और लोगों की आंख में उंगली डालकर उन्हें यह समझाना चाहते थे कि जिसे हम धर्म कहते हैं, उसका सम्बंध आत्मा और परमात्मा से है, खान-पान, छुआछूत से उसका कोई सरोकार नहीं है। गुरू-नानक जी जयन्ती (5 नवम्बर) पर प्रस्तुत है- प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार *रामधारी सिंह दिनकर* का आलेख।

हिंदी में निर्गुणवादी साधकों में सबसे बड़ा नाम महात्मा कबीरदास का है, किंतु गुरु नानक देव ने निगम धर्म का जो आख्यान किया, वह भी बेजोड़ है। उनका जपुजी नामक ग्रंथ सिखों के बीच उसी प्रकार समादृत है, जैसे हिंदुओं के बीच गीता और बौद्धों के बीच धम्मपदा जपुजी का पाठ केवल सिखों तक सीमित नहीं है, बहुत से हिंदू भी बड़ी श्रद्धा के साथ इस धर्मग्रंथ का पाठ करते हैं। जपुजी की रचना शैली भी अद्‌भुत है।

गुरु नानक देव उच्च कोटि के कवि और पहुंचे हुए संत ही नहीं थे, उनका सामाजिक आचार भी क्रांतिकारी और मनुष्य-मनुष्य के बीच समता का समर्थक था।

मनुष्य का मूल्यांकन उसके धन, कुल और विद्या को देखकर नहीं, बल्कि उसके पवित्र भाव और निष्कलुष कर्म को देखकर करना चाहिए, यह गुरु नानक देव की शिक्षा थी और यह बात वह केवल कहकर ही नहीं समझाते थे, बल्कि करके भी दिखाते थे।

यह भी प्रसिद्ध है कि गुरु नानक देव अपने शिष्य मरदाना के साथ जब सैयदपुर गांव गए, वे लालो नामक एक बढ़ई के घर ठहरे थे। उन्हें शूद्र के घर की रोटी खाते देखकर गांव के ब्राह्मणों और क्षत्रियों के बीच हलचल सी मच गई। ब्राह्मणों और क्षत्रियों ने उनसे निवेदन किया कि आप लालो के यहां से उठकर भागो के घर ठहरिए, क्योंकि वह गांव का जमींदार है और साधुओं की सेवा भी करता है। गुरु नानक देव ने इस निवेदन को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि 'लालो गरचे गरीब है, मगर उसकी रोटी में दूध ही दूध है, क्योंकि यह उसके पसीने की कमाई की रोटी है। तुम्हारे जमींदार मालिक भागो की रोटी में यह स्वाद और पवित्रता कहां से आएगी? वह तो जुल्म की कमाई की रोटी है, जो खून से सनी हुई है।'

सदियों से गुरु नानक के बारे में जो जनश्रुतियां प्रचलित रही हैं, उनसे मालूम होता है कि वह धर्म के बाहरी आडंबर और उसके ढकोसलों को महत्व नहीं देते थे। वह अंधविश्वास के शत्रु थे और लोगों की आंख में उंगली डालकर उन्हें यह समझाना चाहते थे कि जिसे हम धर्म कहते हैं, उसका संबंध आत्मा और परमात्मा से होता है, खान-पान, छुआछूत से उसका कोई सरोकार नहीं है।

एक बार गुरु नानक देव हरिद्वार गए। वहां उन्होंने देखा कि बहुत से लोग पूरब की ओर मुंह करके खड़े हो कर अपने पितरों का तर्पण कर रहे हैं। गुरु के मन में यह बात आई कि इन अंधविश्वासियों को कोई शिक्षा दी जाए। वह पश्चिम में मुंह करके खड़े होकर तर्पण करने लगे। लोगों को यह देखकर बड़ा कौतुक हुआ। उन्होंने कहा, 'महाराज, पितरों को तो जल पूरब की तरफ मुंह कर दिया जाता है, आप पश्चिम मुंह खड़े हो किसका तर्पण कर रहे हैं?'

गुरु नानक देव ने कहा, 'मैं पछांह से आया हूं। वहां मेरा एक खेत है। कुछ पता नहीं कि पानी वहां बरसा है या नहीं, अतएव पश्चिम मुंह खड़ा होकर मैं अपने खेतों में पानी पटा रहा हूं।' लोगों ने अचरज में पूछा, 'आदमी तो आप काफी उम्र के हो गए, मगर यह भी नहीं समझ पाते कि तर्पण करने से पानी उस खेत में

नहीं पहुंचेगा, जो यहां से सैकड़ों कोस दूर है।' गुरु ने कहा, 'तो तुम्हारा उपदेश मैं तुम्ही को वापिस करता हूं। अगर तर्पण का जल मेरे खेत में नहीं पहुंच सकता, जो इसी धरती पर है, तो तुम्हारा दिया हुआ जल तुम्हारे उन पितरों तक कैसे पहुंचेगा, जो परलोक में हैं?' लोग निरुत्तर रह गए और उनमें से कई उसी समय गुरु नानक देव के शिष्य हो गए।

निर्गुण संप्रदाय के सभी संत संन्यास और गृहस्थ के बीच की दूरी समाप्त करना चाहते थे। यह धर्म का निचोड़ जुगाने का प्रयास था। धर्म यदि धर्म हो, तो संन्यासी और गृहस्थ, दोनों को वह समान रूप से सुलभ होना चाहिए, उसकी उपासना केवल मंगलवार, रविवार या शुक्रवार को नहीं, बल्कि हर रोज और हर समय की जानी चाहिए, और उसकी साधना का स्थान केवल मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारा ही नहीं, बल्कि चमड़े की वह दुकान भी होनी चाहिए, जहां मोची बैठकर जूते गांठता है।

पोशाक के बारे में गुरु कट्टर नहीं थे। कभी वह हिंदू योगियों के समान रहते थे, कभी मुस्लिम कलंदर के समान। वह इच्छानुसार चंदन और माला भी धारण करते थे। जब वह बगदाद घूमने गए, तब उनका भेष सूफियों जैसा था। लेकिन जब वे सर्वत्र घूम-घामकर करतारपुर में जा बसे. उन्होंने गृहस्थ की पोशाक धारण कर ली। इसी पोशाक में एक दिन वह शेख फरीद की दरगाह पर गए। उस समय इस दरगाह के महंत शेख ब्रह्म थे। उन्होंने गुरु नानक को गृहस्थ की पोशाक में देखकर कहा, 'आदमी के लिए लाजिम है कि या तो वह खुदा की ख्वाहिश करे या दुनिया की फिक्र। दो नावों में पांव रखना ठीक नहीं है। इससे आदमी दरिया में गर्क हो सकता है।'

गुरु नानक शेख ब्रह्म की आलोचना को ताड़ गए और बोले, 'हम दोनों नावों से एक साथ काम क्यों न लें ? मसलन एक में हम अपना असबाब रखें और दूसरी में अपनी आत्मा । ऐसे आदमी के लिए बर्बादी और नुकसान है ही नहीं। क्योंकि उसे न तो नाव दिखाई पड़ती है न दरिया का जल दिखाई पड़ता है। वह तो सिर्फ परमेश्वर के माल की रखवाली करता है।' शेख ब्रह्म यह उत्तर सुनकर लज्जित हो गए। अचानक उन्हें अपनी आध्यात्मिक समस्या का ध्यान आया और विलाप के स्वर में बोले, 'जब नाव बनाने का वक्त था, मैंने नाव नहीं बनाई। अब तो नदी में बाढ़ उठ रही है। मैं पार कैसे जाऊंगा ?'

गुरु नानक देव ने दिलासा देते हुए शेख ब्रह्म से कहा, 'नाव तो साधना और समाधि की होती है। इस नाव पर चढ़कर नदी के पार जाना आसान है। जिनके पास ऐसी नाव है, नदी की बाढ़ उन्हें दिखाई नहीं देती और वे सकुशल पार हो जाते हैं।'

आधुनिकता की मांग है कि धर्म प्रवृत्ति मार्गीय हो। गुरु नानक का विश्वास प्रवृत्ति-मार्ग में था । आध्यात्मिक सिद्धि के लिए उपवास, तितिक्षा और देह-दंडन की प्रक्रिया को वे उचित नहीं समझते थे। शेख ब्रह्म (यानी शेख इब्राहीम) से उन्होंने कहा, 'जीवन की जो साधारण आवश्यकताएं हैं, उनसे शरीर को वंचित रखना पाप है। सुखों के प्रति मनुष्य में आसक्ति नहीं होनी चाहिए, किंतु शरीर धारण करने के लिए भगवान जो कुछ भेजें, उसे स्वीकार करना ही चाहिए। शरीर को भूखों मारने से आध्यात्मिक सिद्धि नहीं प्राप्त होती ।'

दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum Corporation Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009(R)

E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

संसदीय लोकतंत्र के पोषक - पं. नेहरू

पंकजकुमार शर्मा

राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम एवं उसके पश्चात लोकतंत्र को सुदृढ करने व देश में नियोजित विकास की नींव रखने में पं. जवाहरलाल नेहरू का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे देश के सबसे सफल विजनरी नेता व प्रधानमंत्री रहे। पं. नेहरू जैसे मानवतावादी का लक्ष्य देश को विदेशी दासता से मुक्त कराने का ही नहीं बल्कि सामाजिक दासता से मुक्ति, समानता और भ्रातृत्व की भावना स्थापित कर देश के संपूर्ण विकास का था। वे चाहते थे कि भारत न केवल साम्राज्यवाद से मुक्त हो बल्कि रूढ़ीवादी व परम्परावादी जंजीरों से मुक्त हो। वे धर्म निरपेक्षवादी राज्य की स्थापना के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने राष्ट्रवाद को वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ अंतरराष्ट्रवाद के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने भारत के सामाजिक ढांचे, आदर्श व दर्शन में समग्र व सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया। पं. नेहरू ऐसा जनतंत्र चाहते थे जहां अवसर की समानता हो, प्रत्येक के लिए अच्छा जीवन जीने के संपूर्ण साधन हो, पर्याप्त उत्पादन हो तथा विषमताओं का उन्मूलन हो। देश की सामाजिक और आर्थिक विषमताओं के प्रति उनका दृष्टिकोण वैज्ञानिक था। पं. नेहरू ने नियोजित विकास में समाजवादी सोच व पद्धति को अपनाया, प्रजातांत्रिक समाजवाद की स्थापना की। वे भारत को संकीर्ण राष्ट्रवाद के दायरे के बंधन में नहीं रखना चाहते थे। उद्योगपतियों के विरोध के बावजूद 1948 में औद्योगिक क्षेत्र में नई नीति के निर्माण की घोषणा की। अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक क्षेत्र के निर्माण का ऐलान किया। रेल व शस्त्रों का निर्माण करने वाले कारखाने राजकीय संपत्ति बने और सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में बड़े उद्योगों के विकास पर वे डटे रहे। बड़े उद्योगों, धातुओं, ऊर्जा, रसायन उत्खनन और परिवहन जैसी बुनियादी सेवाओं पर नियंत्रण कायम किया।

भारत में जागीरदारी प्रथा समाप्त की। योजना आयोग की स्थापना कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य प्रारंभ किया। भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए बिहार (सिंदरी) में उर्वरक खाद बनाने का कारखाना स्थापित हुआ। सिंचाई परियोजनाओं के तहत भाखड़ा नांगल, हीराकुंड, नागार्जुन सागर आदि बड़े-बड़े बांध व नहरों का निर्माण हुआ, जिससे सिंचाई के लिए जल तथा उद्योग धंधों के लिए समुचित मात्रा में बिजली उपलब्ध हो सकी। बड़े-बड़े उद्योगों की स्थापना की योजनाएं बनी। दुर्गापुर में भिलाई, राउलकेला में लोह उद्योग की स्थापना हुई। सोवियत रूस, ब्रिटेन व जर्मनी की सहायता से यह कारखाने स्थापित हुए। इससे पूर्व देश में एकमात्र गैर सरकारी कारखाना जमशेदपुर में था। पं. नेहरू अणु शक्ति का विकास चाहते थे और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने अनेक वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं की स्थापना की। पं. नेहरू का व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक था। उन्होंने पंचशील व सहअस्तित्व की भावना समग्र विश्व के सामने प्रस्तुत की। विश्व बंधुत्व, विश्व कल्याण, मैत्री, सद्भावना के आधार पर राष्ट्र व मानव के मध्य खुदी खाइयों को पाटने का प्रयास किया। अनेक राष्ट्रों के लिए नेहरू प्रेरणा स्रोत बने । विश्व शांति के लिए तटस्थता व मैत्रीपूर्ण विश्वास, मानवता के लिए उनकी सबसे बड़ी देन रही।

HOTEL RAJKAMAL INTERNATIONAL

123- Bye Pass Road, Bhuwana,
Udaipur (Raj.)
Ph.: 0294-2440770, 2440085,
9649244085
E-mail: rajkamaludr@gmail.com
Website: www.hotelrajkamal.com

For Your Comfortable Stay

प्रत्यूष

नाथद्वारा में 16 राज्यों के साठ साहित्यकारों का सम्मान

'हिंदी लाओ, देश बचाओ' महोत्सव

नाथद्वारा के भगवती प्रसाद देवपुरा प्रेक्षागृह में साहित्य मंडल द्वारा 13-14 सितंबर को आयोजित 'हिंदी लाओ देश बचाओ' समारोह सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि गिरीश्व मिश्र ने कहा 'जब तक हम विचारों में स्वाधीन नहीं होंगे, तब तक सतही परिवर्तन नहीं होंगे। आज लोगों को आपस में जुड़ने के लिए हिंदी से जुड़ना होगा। हिंदी सिर्फ भाषा का प्रश्न नहीं है, हमारी पहचान का भी है। विशिष्ट अतिथि डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र उड़ीसा व डॉ ओम नीरव लखनऊ थे। डॉ राहुल दिल्ली, सुरेश अमलनेर व डॉ अमर सिंह बधान पंजाब ने भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ अंजीव अंजुम की गणेश व श्रीनाथ वंदना, डॉ बृजभान नंदनी की सरस्वती वंदना, गुरुकुल विद्यालय के बालक-बालिकाओं के गीता श्लोक पाठ से हुई। डॉ व्यासमणी त्रिपाठी पोर्ट ब्लेयर ने अंडमान-निकोबार में हिंदी का समृद्धशाली इतिहास, श्रीमती मनोमाला हजारिका जोरहाट ने पूर्वोत्तर राज्य में हिंदी के बढ़ते कदम ,डॉ अवधेश कुमार वर्धा ने हिंदी लोक मंगल से लोक जागरण तक , डॉ एस प्रीति चेन्नई ने तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति की व्यापकता विषय पर पत्र वाचन किया। महोत्सव में प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र गाजियाबाद को भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति सम्मान एवं हिंदी वाग्भूति की मानद उपाधि, डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र उड़ीसा को भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति सम्मान एवं हिन्दी शलाका

मानद उपाधि, डॉ कृष्ण लाल बिश्नोई बीकानेर को ब्रजकांत साहित्य सम्मान, आचार्य ओम नीरव लखनऊ को डॉ दाऊ दयाल गुप्त स्मृति सम्मान, डॉ राहुल दिल्ली को श्री जीवन लाल अग्निहोत्री स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। भगवती प्रसाद देवपुरा के कृतित्व पर आधारित डॉ राहुल की कृति 'दिव्यात्मा' महाकाव्य का लोकार्पण किया गया। प्रोफेसर बृजभान नंदिनी वृंदावन को नृत्य शिरोमणि, डॉ नवल किशोर भाभड़ा अजमेर को सोनी देवी स्मृति सम्मान, डॉक्टर पुष्पा सिंह विसेन नई दिल्ली को कमलेश गुप्त स्मृति सम्मान, राजेश कुमार भटनागर जयपुर को मूलचंद पारीक स्मृति सम्मान, डॉ श्याम मनोहर सिरोठिया सागर को रामस्वरूप सिंगल स्मृति सम्मान, शैलेश पांडेय भीनाश (गुजरात) को सूरज केसरी फरक्या स्मृति सम्मान, डॉ अखिलेश निगम लखनऊ को अवध नारायण देवी उपाध्याय स्मृति सम्मान के साथ ही हिंदी काव्य शिरोमणि की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

द्वितीय सत्र: कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि डॉ नवल किशोर भाभड़ा ने आयोजन को साहित्य का महाकुंभ यह हिंदी को दिशा प्रदान करने वाला है। यहां हमने साहित्य का जन्म, संवर्धन और संरक्षण देखा है। हिंदी लाओ देश बचाओ कार्यक्रम एक आंदोलन के रूप में साहित्य मंडल की देन है। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के सचिव डॉ बसंत सिंह सोलंकी ने कहा कि साहित्य मंडल हिंदी भाषा और साहित्य के विकास का वह मंदिर है, जहां का हर कण हिंदी का गुणगान करता है।

विशिष्ट अतिथि इतिहासकार डॉ कृष्ण जुगनू ने साहित्य मंडल के विकास और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि

साहित्य मंडल ने सिर्फ किताबों को संजोया ही नहीं है, यहां महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना भी हुई है। यहां संपादित 'सूर सागर' और अष्टछाप के कवियों पर संपादित और संकलित ग्रंथ हिंदी साहित्य की विशेष धरोहर हैं। महोत्सव के दौरान नगर में हिंदी के पक्ष में नारे लगाते हुए रैली भी निकाली गई।

द्वितीय दिवस : दूसरे दिन समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ अखिलेश निगम लखनऊ ने कहा कि हिंदी विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय भाषा है। यदि इसे सरकार का संरक्षण और संवर्धन मिले तो यह विश्व में अंग्रेजी का स्थान ग्रहण कर सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अमर सिंह बधान ने कहा कि हिंदी के प्रसार में साहित्य मंडल का बड़ा योगदान है। संस्थान अध्यक्ष पंडित मदन मोहन शर्मा ने कहा कि यह साहित्य मंडल का सौभाग्य है कि आज पूरा भारत नाथद्वारा में समाहित है। दोनों दिन के कार्यक्रम का प्रभावी संचालन संस्थान के प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने किया।

डॉक्टर बनवारी लाल पारीक नवल व डॉ रश्मि पांडा मुखर्जी कोलकाता ने हिंदी उपनिषद पर वाचन किया । साहित्य मंडल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हिंदी कहानी प्रतियोगिता में प्रथम नमिता सिंह आराधना, द्वितीय डॉ अंजु सक्सेना जयपुर व तृतीय श्रीमती शोभा रानी गोयल जयपुर को सम्मान राशि एवं स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर जिंदगी की धूप-छांव, तरकश के तीर, पंखुड़ी, अमृता प्रीतम के उपन्यास का आधुनिक अध्ययन, बदलाव विज्ञान पहेलियां आदि नवीन कृतियों का विमोचन भी किया गया।

इसके पश्चात 'पत्रकार प्रवीण' उपाधि से किंजल तिवारी उदयपुर 'रक्तदान वीर' से वैशाली हितेश पांडा अहमदाबाद, हिंदी भाषा काव्य विभूषण से विनय दास बाराबंकी, बृजनंदन प्रसाद वियोगी हुगली, सोमेंद्र कुमार पांडा कोलकाता, पूरणमल शर्मा पूर्ण भुसावर, डॉ कृष्णदेव अग्रवाल अरविंद दिल्ली, डॉ महेंद्र खरे सागर, डॉ कृष्णपाल सिंह भदोरिया अहमदाबाद, शिवांगी सिंह कोटा, उपमा आर्य सहर लखनऊ, डॉ शिवकुमार ओझा बेंगलुरु, महावीर सिंह जोधपुर, डॉ अंकुर देसाई बड़ौदा, पंडित हरिशंकर दुबे भोपाल, डॉक्टर शिवकुमार दीवान भोपाल, व शिवकुमार चंदन रामपुर को अभिवंदित किया गया। हिंदी साहित्य विभूषण की मानद उपाधि से डॉ इंदु गुप्ता फरीदाबाद, डॉ एम एस चौहान इंदौर, एम एल चतुर्वेदी इंदौर, अतुल कुमार शर्मा संभल ,काव्य भूषण की उपाधि से संतोष कुमार पटेरिया महोबा, राम मोहन कौशिक कोटा, शरद कुमार गुप्ता आगरा, रशीद अहमद शेख रशीद इंदौर, दीनबंधु आर्य सरल लखनऊ, अर्चना भटनागर जयपुर, हिंदी भाषा विभूषण की मानद उपाधि से डॉ लक्ष्मी लाल बैरागी उदयपुर, नवनीत पांडे बीकानेर , डॉ शशि रानी सहारनपुर, संपादक रत्न की मानद उपाधि से पवन गुप्ता तूफान झांसी, राज नारायण शर्मा चितौड़गढ़,, विजय कुमार गोयल आगरा एवं चिकित्सा संगीत शिक्षा सेवा रत्न की मानद उपाधि से वैद्य हंसराज चौधरी रायला , नीता निगम लखनऊ एवं सुमित्रा पालीवाल नाथद्वारा को सम्मानित किया गया।

रिपोर्ट : श्याम प्रकाश देवपुरा

विशाल नागदा,
डायरेक्टर,
मो. 98285 40819

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

भूपेश नागदा,
डायरेक्टर

Bharat Petroleum

विशाल फिलिंग स्टेशन

प्रतापनगर, उदयपुर - 313001 (राज.)
मो.: 94141-57870

सीसारमा, उदयपुर (राज.)

प्रत्यूष

टीम इंडिया नौंवी बार एशिया की सरताज

अजेय भारत के आगे पाक का गुरुर चूर

जगदीश सालवी

पाकिस्तान से तीन मैच और तीनों में ही पाकिस्तान को पटखनी। भारत ने उसका गुरुर पूरी तरह चूर कर दिया। पाकिस्तान का कोई भी पैंतरा उसके काम नहीं आया। दो गेंद रहते पांच विकेट से रौंदकर भारतीय टीम नौंवी बार एशिया क्रिकेट में सरताज बन गई। खेल के मैदान पर भी चले ऑपरेशन सिंदूर में भारत की टीम ने पाकिस्तान की टीम से न हाथ मिलाया और न ही पाकिस्तान के गृहमंत्री एवं एशिया क्रिकेट कौंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी ग्रहण की। बीसीसीआई ने सूर्या टीम को 21 करोड़ रुपए पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की।

अभिषेक शर्मा

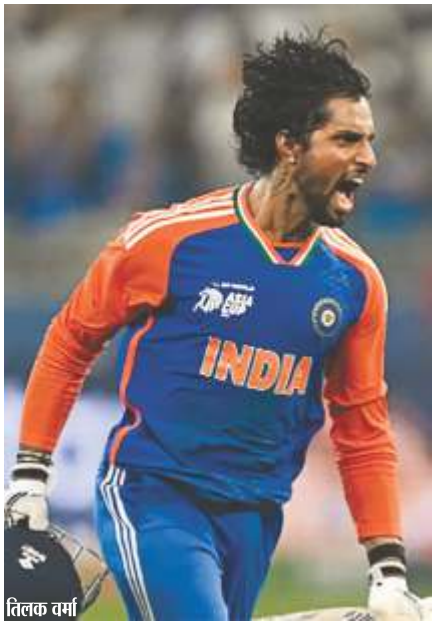

तिलक वर्मा

एशिया कप में अजेय भारत के आगे पाकिस्तान का गुरुर चूर हो गया। 28 सितम्बर को पूरे जोश से दुबई में खेले गए खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। इसके साथ भारत ने नौंवी बार एशिया कप पर कब्जा जमाया। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट, वह मंच है जहां भारत ने बार-बार अपनी धाक जमाई है। 1984 में शारजाह की गर्म रेत पर शुरु हुआ यह टूर्नामेंट आज तक भारत की कहानी कहता है- एक ऐसी कहानी जिसमें जीत का सिलसिला, रणनीति की गहराई और खिलाड़ियों का जुनून शामिल है।

1984 में जब एशियाई क्रिकेट काउंसिल ने पहला एशिया कप शुरु किया, जो भारत ने श्रीलंका और पाकिस्तान को धूल चटाकर खिताब अपने नाम किया। यह वह दौर था जब सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज मैदान पर उतरते थे और भारत ने दिखा दिया कि वह एशिया का सिरमौर बनने को तैयार है। 1988 में फिर जीत हुई। 1990-91 में पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट गया था और भारत ने खिताब अपने नाम किया। 1995 में श्रीलंका को उसके घर में हराकर तीसरा ताज भारत की शानदार सफलता रही। 2000 के दशक में पाकिस्तान ने अपने पहली जीत दर्ज की, लेकिन भारत ने 2010 में जोरदार वापसी की। 2016 में टी20 फार्मेट में भारत ने फिर बाजी मारी और 2018 में रोहित शर्मा की कप्तानी में बांग्लादेश को फाइनल में मात दी। 2023 का संस्करण तो जैसे भरत का विजय गीत था-पाकिस्तान को 228 रनों से रौंदते हुए भारत ने आठवीं बार खिताब जीता। अब नौ खिताबों के साथ भारत इस टूर्नामेंट

का निर्विवाद बादशाह है, जबकि श्रीलंका (छह खिताब) और पाकिस्तान (दो खिताब) कहीं पीछे छूट गए। बीसीसीआई ने एशिया कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम और सहयोगी स्टाफ को टूर्नामेंट में अपराजेय प्रदर्शन पर 21 करोड़ रुपए पुरस्कार देने की घोषणा की है।

टॉस जीतकर भारत ने पाक को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। साहिबजादा फरहान (57) और फखर जमां (46) ने आक्रामक शुरुआत की। हालांकि टीम ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 45 रन बनाए। लेकिन उसके बाद दोनों सलामी बल्लेबाजों ने तेजी दिखाई। टीम ने 12वें ओवर में ही 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। एक समय उसका स्कोर एक विकेट पर 113 रन था और टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी। लेकिन उसके बाद भारतीय फिरकी के कहर के सामने पाक की पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई।

आखिरी 10 ओवर में भारतीय स्पिनरों ने उन्हें दबाव में ला दिया। अंत में भारतीय गेंदबाजों ने पाक को 19.1 ओवर में 146 रन के स्कोर पर रोक दिया। कुलदीप यादव के अलावा अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह ने भी दो-दो विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। तीन शीर्ष बल्लेबाज 20 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुके थे। टूर्नामेंट में सर्वाधिक 314 रन बनाने वाले अभिषेक शर्मा फाइनल में फ्लॉप हो गए। उन्हें फहीम अशरफ ने हारिस रऊफ से पांच रन पर कैच कराया। कप्तान सूर्य कुमार यादव एक रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार बने। गिल को भी अशरफ ने 12 रन पर लौटा दिया। संकट की ऐसी स्थिति में तिलक वर्मा ने संजू सैमसन के साथ पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 50 गेंदों में 57 रन बनाए। फिर तिलक ने पांचवें विकेट के लिए शिवम दुबे के 40 गेंदों पर 60 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के नजदीक पहुंचाया। अंत में रिंकूसिंह ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने न तो पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाया और न ही एशिया क्रिकेट कौंसिल के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी ग्रहण की। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान आगा के साथ फोटोशूट में भी भाग नहीं लिया।

भारत के नौ खिताब

- 1984
- 1988
- 1990-91
- 1995
- 2010
- 2016
- 2018
- 2023
- 2025

मोहसिन नकवी इस बात पर अड़ गए कि बतौर एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) अध्यक्ष वही ट्रॉफी देंगे। इस विवाद के चलते करीब एक घंटे तक प्रैजेंटेशन समारोह अटका रहा। इसके बाद मोहसिन नकवी बेशर्मी से टीम इंडिया की जीती ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए। भारतीय टीम ने बिना कप ही पूरे जोश से जश्न मनाया। दूसरी ओर पाक में मातम छा गया तथा गुस्से में क्रिकेट प्रेमियों ने अपने टीवी तोड़ डाले।

कुलदीप ने तोड़ा मलिंगा रिकॉर्ड

कुलदीप एशिया कप (वनडे और टी20) के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। बाएं हाथ का यह गेंदबाज 18 मैचों मे 36 विकेट चटका चुका है। उन्होंने श्रीलंका के लसित मलिंगा (33 विकेट, 15) का रिकॉर्ड तोड़ा। मुथैया मुरलीधरन (30 विकेट, 24 मैच) तीसरे और रविन्द्र जडेजा (29 विकेट, 26 मैच) चौथे नंबर पर हैं।

दुबे ने पहली बार फेंका पारी का पहला ओवर

शिवम दुबे ने अपने करियर में पहली बार भारतीय पारी की गेंदबाजी में शुरुआत की। उनकी यह शुरुआत शानदार रही। उन्होंने अपने और भारत के पहले ओवर में सिर्फ चार रन दिए। उन्होंने तीन ओवर में 23 रन दिए पर कोई विकेट नहीं मिला। बाद में उन्होंने बल्ले से भी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मैच के हीरोः कुलदीप यादव और तिलक

भारतीय टीम की खिताबी जीत के हीरो मुख्य रूप से कुलदीप यादव और तिलक वर्मा (69 रन) रहे। वह तब क्रीज पर उतरे जब भारत का स्कोर दो विकेट पर 10 रन था। उसके बाद वह एक छोर पर डटे रहे और टीम को शानदार जीत दिलाकर लौटे। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन कुलदीप ने 30 रन पर चार विकेट लेने के साथ ही एक कैच भी लपका।

प्रत्यूष

डायबिटीज़ कारण जानने से बचाव आसान

डॉ. शोभालाल औदिच्य

डायबिटीज (मधुमेह) की समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। यदि इसके कारणों के बारे में जानकारी हो तो बचाव आसान हो जाता है। यह रोग आनुवांशिक और पर्यावरणीय कारकों पर आधारित है। खानपान में सावधानी बरतें। ऐसी चीजें न खाएं जिनमें कैलरी अधिक हो और उन्हें पचाने के लिए अधिक वर्कआउट की जरूरत हो।

आज डायबिटीज की बीमारी दुनिया भर में करोड़ों लोगों की जिंदगी में जहर घोल रही है। भारत में भी बड़ी संख्या में लोग इसकी गिरफ्त में हैं। यह एक ऐसा रोग है, जिसमें व्यक्ति के शरीर में ब्लड शुगर लेवल बहुत अधिक हो जाता है। यह शरीर में तंत्रिकाओं और रक्त धमनियों को नष्ट कर देता है। यह सिर्फ बीमारी नहीं है, बल्कि शरीर में अन्य खतरनाक बीमारियों जैसे दिल का दौरा, गुर्दे की विफलता और डायलिसिस, अंधापन और पैरों के काटने की नौबत तक को जन्म दे रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि इसका आयु वर्ग से कोई लेना-देना नहीं है। एक तरफ जहां बुजुर्ग व्यक्ति इसके शिकार हो रहे हैं, वहीं आज यह नवजात शिशुओं को भी नहीं बख्श रही है। इसके अलावा युवक-युवतियां भी तेजी से डायबिटीज का शिकार बनते जा रहे हैं।

आधुनिक जीवनशैली

आधुनिक जीवनशैली अपनाने के कारण लोगों की जिंदगी में एकाएक बदलाव आया है, जिसके चलते उनका रहन-सहन, खानपान भी पूरी तरह बदल गया है। कामकाजी लोगों का एक ही जगह पर लंबे समय तक बैठकर काम करते रहना, काम के दौरान शरीर की प्राकृतिक क्रियाओं को नजरअंदाज करना, शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने वाली शारीरिक गतिविधियों से दूरी बनाना और संतुलित आहार लेने की बजाय मसालेदार एवं स्ट्रीट फूड का इस्तेमाल करना हर किसी को इस बीमारी के मुंह में धकेल रहा है।

तनाव

भागदौड़ के इस समय में आज आदमी की जिंदगी में संतोष की जगह तनाव ने ले ली है। चाहे बात निजी जिंदगी की हो या करियर की, दोनों के बीच संतुलन कायम करने के लिए महिला-पुरुष दोनों ही बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रहे हैं। इससे मानसिक दबाव ज्यादा बढ़ जाता है, जिसका सीधा असर शरीर की तंत्रिकाओं पर पड़ता है और उच्च रक्तचाप में वृद्धि होती है। यह डायबिटीज का बड़ा कारण बन रहा है।

धूम्रपान

जो लोग लंबे समय से धूम्रपान करते आ रहे हैं। उनके रक्त में शुगर का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अब हालात यह है कि उनमें हार्ट फेल्योर, अंधेपन संबंधी बीमारियों की शिकायतें सबसे ज्यादा देखी जा रही हैं। उच्च रक्तचाप शर्करा की समस्याएं पैदा कर रहा है। इसके अलावा एल्कोहल का बेहिसाब इस्तेमाल भी डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारी को न्योता दे रहा है। इसमें भी कैलरी की मात्रा बहुत अधिक होती है।

आनुवंशिक कारण

डायबिटीज पीढ़ी दर पीढ़ी फैलने वाली यानी आनुवंशिक बीमारी भी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अगर परिवार में अभिभावक को डायबिटीज की समस्या होने पर इसका इलाज न कराया गया तो यह बड़ी ही आसानी से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पहुंच जाती है। इलाज न कराने पर डायबिटीज से पीड़ित गर्भवती महिला द्वारा नवजात शिशुओं में भी डायबिटीज की आशंका बढ़ जाती है।

मोटापा

बहुत ज्यादा खाना खाने से पाचन संबंधी समस्याएं शुरू होती हैं। इसके बाद धीरे-धीरे कैलरी में तब्दील अधिक भोजन वसा के रूप में पेट के चारों तरफ इकट्ठा हो जाता है। इससे ब्लड वैसल्स को नुकसान पहुंचता है। इसलिए असंतुलित आहार के सेवन से न केवल वयस्कों

में, बल्कि छोटे बच्चों में भी मोटापे की समस्या बढ़ रही है, जिससे डायबिटीज की आशंका काफी बढ़ जाती है।

इन बातों पर दें ध्यान

सही दिनचर्या और जीवनशैली में कुछ परिवर्तन करके डायबिटीज जैसे भयानक रोग से बचा जा सकता है। इसके लिए खान-पान में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। घरेलू तरीके से डायबिटीज से बचाव के लिए दिन में एक बार दो चम्मच करेले के रस का सेवन करें, साथ में दिन में दो बार एक-एक चम्मच मेथी के पाउडर का सेवन पानी के साथ अवश्य करें।

■ गेहूं की रोटी, पास्ता, भूरे चावल इत्यादि का सेवन करना चाहिए।

■ दूध से तैयार पनीर और दही लिया जा सकता है।

■ लहसुन, प्याज, करेला, पालक, कच्चा केला और काले बेर का प्रयोग करें।

■ मीठे, खट्टे और नमकीन खाद्य पदार्थों, आलू, शकरकंद, भारी तेल और मसालेदार भोजन से बचें।

■ अनन्नास, अंगूर, आम आदि मीठे फलों से बचें।

■ प्रतिदिन 30-40 मिनट तक व्यायाम करें।

■ दिन के समय सोने से बचें।

■ चिकित्सक से परामर्श लें।

आस्था-अनास्था

उत्तरा भाद्रपद का जातक प्रभावशाली और विनम्र

डॉ. संजीवकुमार शर्मा

उत्तरा भाद्रपद 26वां नक्षत्र है। यह मीन राशि के अंतर्गत आता है। इसे भाग्यशाली पैरोंवाला नक्षत्र माना जाता है। इसमें जन्म लेने वाले व्यक्ति को भाग्यशाली माना जाता है।

यह शनि द्वारा शासित होता है, जो धैर्य और सहनशीलता का प्रतीक है। यह नक्षत्र ज्ञान, आध्यात्मिकता और परोपकार का प्रतीक है। इस नक्षत्र में जन्मे लोगों की गहन ज्ञान प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

इस नक्षत्र में जन्मे लोग अध्यात्म और दर्शन में गहरी रुचि रखने वाले और धार्मिक विचारों के होते हैं। इनका व्यक्तित्व प्रभावशाली होता है। समाज और परिवार में मान-सम्मान प्राप्त करते हैं।

इस नक्षत्र में जन्मे लोग मेहनती होते हैं। ऐसे जातक स्वतंत्र विचार और आत्मनिर्भरता की भावना रखते हैं। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चार चरणों के अलग-अलग प्रभाव: निम्नानुसार हैं-

प्रथम चरण: इसका पहला चरण सूर्य द्वारा शासित और सिंह नवांश में आता है। इस चरण में जन्म लेने वाले लोग बुद्धिमान, अनुभवी और नेतृत्व की अपार क्षमतावाले होते हैं। इस चरण के लोग शांत और बुद्धिमान होते हैं।

द्वितीय चरण : इस नक्षत्र का दूसरा चरण बुध द्वारा शासित, कन्या नवांश में आता है। इस चरण में जन्म लेनेवाले लोग उच्च महत्वाकांक्षा रखते हैं। ये व्यक्ति योजना बनाने और व्यवस्थित तरीके से काम करने में कुशल होते हैं। ये परदे के पीछे रहकर काम करना पसंद करते हैं।

तृतीय चरण : इसका तीसरा चरण शुक्र शासित और तुला नवांश में स्थित होता है। इस चरण में जन्मे लोग नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भौतिकतावादी चीजों की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। इनमें धैर्य और लचीलापन भी होता है। अध्यात्मिक विचारों वाले होते हैं।

चतुर्थ चरण : इस नक्षत्र का चौथा चरण मीन राशि में 13 डिग्री 20 मिनट से 16 डिग्री 40 मिनट तक फैला हुआ है। इस चरण में जन्मे लोग दयालु, सामाजिक कार्यों में रुचि रखते हैं। अपने परिवार के प्रति समर्पित होते हैं।

Tara

तारा संस्थान

की तरफ से आप सभी को

दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ

तारा नेत्रालय - उदयपुर

अन्तर्गत: तारा संस्थान - उदयपुर

RGHS सुविधा उपलब्ध

सम्पर्क सूत्र: 9549399993, वेबसाइट: www.tarasansthan.org

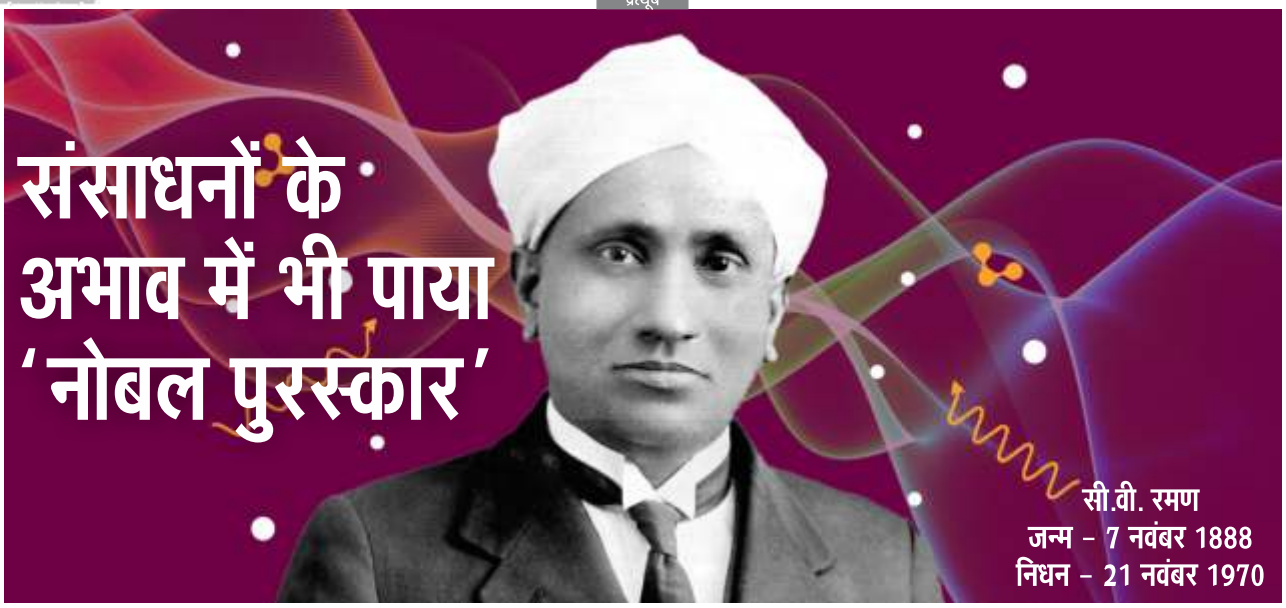

संसाधनों के अभाव में भी पाया 'नोबल पुरस्कार'

उर्वशी शर्मा

प्रो. चंद्रशेखर वेंकट रमन पहले एशियाई एवं अश्वेत थे जिन्हें विज्ञान क्षेत्र में नोबल पुरस्कार दिया गया। इस पुरस्कार के कारण भारतीय विज्ञान विश्व की निगाहों में आया और प्रशंसा का पात्र बना। विद्यार्थी जीवन में उन्होंने प्रकाशिकी और ध्वनिकी में शुरूआती शोध किए और बाद में इन्हीं दोनों क्षेत्रों में उन्होंने ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्हे देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया।

प्रोफेसर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सीवी रमन) ने 1928 में कोलकाता में एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी, जो 'रमन प्रभाव' के रूप में प्रसिद्ध है। इसी खोज की याद में भारत में 1986 से हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। सीवी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई और इसी साल उन्हें इस खोज के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया।

सीवी रमन का जन्म दक्षिणी भारत के तिरुचिरापल्ली में चंद्रशेखर राजनाथन अय्यर और माता पार्वती अम्मल के घर हुआ। उन्होंने तिरुचिरापल्ली से अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी की और कक्षा 10वीं में सर्वोच्च अंक से पास हुए। उनके पिता गणित और भौतिकी के व्याख्याता थे, इसलिए वे शुरू से ही अकादमिक माहौल से जुड़े रहे। उन्होंने 1902 में मद्रास के प्रेसीडेंसी कालेज में प्रवेश लेकर 1904 में वहां से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की। भौतिकी में प्रथम स्थान पाकर स्वर्ण पदक जीता। 1907 में उन्होंने सर्वोच्च विशिष्टता प्राप्त करते हुए स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। विद्यार्थी जीवन में उन्होंने प्रकाशिकी और ध्वनिकी में शुरुआती शोध किए और बाद में इन्हीं दोनों क्षेत्रों को पूरा करिअर समर्पित कर दिया। हालांकि उस समय वैज्ञानिक करिअर में अच्छी संभावनाएं नहीं थीं, इसलिए रमन 1907 में भारतीय वित्त विभाग में शामिल हो गए और इस दौरान उनका अधिकांश समय कार्यालय के कार्यों में ही बीत जाता था। इसी दौरान उन्हें कलकत्ता में 'इंडियन एसोसिएशन फार द कल्टीवेशन आफ साइंस' की प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक अनुसंधान के अवसर मिले (जिसमें वे 1919 में मानद सचिव बने)। 1917 में उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय में भौतिकी के नव स्थापित पालिट चेयर की पेशकश की गई और उन्होंने उसे स्वीकार किया। कलकत्ता में 15 वर्षों के बाद वे बैंगलोर में भारतीय विज्ञान संस्थान (1933-1948) में प्रोफेसर बन गए। 1948 में उन्होंने बैंगलोर में 'रमन इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च' की स्थापना की और उसके निदेशक बने। उन्होंने 1926 में 'इंडियन जर्नल आफ फिजिक्स' की भी स्थापना की, जिसके वे संपादक रहे। रमन ने भारतीय विज्ञान अकादमी की स्थापना को प्रायोजित किया और इसकी स्थापना के बाद से अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इस अकादमी के माध्यम से ही उनका अधिकांश काम प्रकाशित हुआ है। वे करंट साइंस एसोसिएशन, बैंगलोर के अध्यक्ष भी रहे, जो करंट साइंस (भारत) प्रकाशित करता है। रमन के कुछ प्रारंभिक संस्मरण खेती में विज्ञान के उपयोग को लेकर भी इंडियन एसोसिएशन के बुलेटिन में प्रकाशित हुए। उन्होंने हैंडबच डेर फिजिक, 1928 के आठवें खंड में संगीत वाद्ययंत्रों के सिद्धांत पर एक लेख भी लिखा। 1922 में उन्होंने 'प्रकाश के आणविक विवर्तन' पर अपना काम प्रकाशित किया, जो उनके सहयोगियों के साथ जांच की श्रृंखला में पहला था, जो अंततः आगे बढ़ा। उनके द्वारा की गई अन्य खोजों में अल्ट्रासोनिक और हाईपरसोनिक आवृत्तियों की ध्वनिक तरंगों द्वारा प्रकाश के विवर्तन पर उनके प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक अध्ययन (1934-1942 में प्रकाशित) और क्रिस्टल में अवरक्त कंपन पर एक्स-रे द्वारा उत्पन्न प्रभाव शामिल हैं। रमन को बड़ी संख्या में मानद डाक्टरेट और वैज्ञानिक समितियों की सदस्यता से सम्मानित किया गया है। अपने करिअर की शुरुआत (1942) में उन्हें आयल सोसाइटी का फेलो चुना गया। नोबेल पुरस्कार से इतर उन्हें लेनिन पुरस्कार जैसे अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनका जीवन और प्रयोगशालाओं में किया गया परिश्रम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल है कि किस प्रकार कम संसाधन में भी प्रतिभाएं स्वयं को तराश कर निखार सकती हैं।

45 वर्षों की विश्वसनीयता

SINCE 1980

gattani
GATTANI HOSPITAL
multispeciality health care

पिछले 45 वर्षों से पाइल्स इलाज के लिए
गट्टानी हॉस्पिटल पर अटूट विश्वास के लिए
सभी प्रदेशवासियों का हार्दिक आभार

No. 1
लाखों लाभान्वित मरीज

पाइल्स चिकित्सा अब नये
अत्याधुनिक "लेज़र" द्वारा

ADVANCED
PHOTONICCS
LASER

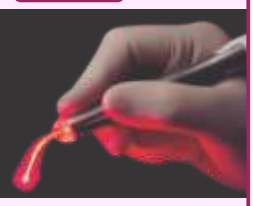

अनुभवी टीम एवं उत्कृष्ट निर्देशन

डॉ. कल्पना देवपुरा — चीफ पाइल्स कंसल्टेंट
डॉ. मुकेश देवपुरा — डायरेक्टर
डॉ. लक्ष्मण खिड़िया — लेप्रोस्कोपिक एवं गेस्ट्रोसर्जन (Visiting)
डॉ. भानु देवपुरा — मेडिकल डायरेक्टर

लेज़र के फायदे – • कम रक्तस्त्राव • कम दर्द • जल्द रिकवरी • बिना चीरफाड़

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें – 9214460061

कैशलेस एवं इंश्योरेंस
9783093333

रियायती परामर्श एवं ऑपरेशन
9783093333

Helpline: 9214460061

GATTANI HOSPITAL (A UNIT OF BILASI DEVI GATTANI HOSPITAL)
Bhupalpura, Near Shastri Circle, Udaipur

25,000 सफल ऑपरेशन का अनुभव

गुणवत्ता प्रमाणित

ALOK SANSTHAN
UDAIPUR-RAJSAMAND-CHITTORGARH
Alok Senior Secondary School Rajsamand
Affiliated to CBSE 10+2(1730193)(Science/Commerce/Arts)

भारतीय विश्व विद्या प्रतिष्ठानम्
A Truly Indian International School

Address - New Shiv Nagar Colony, Jawad bye-pass road, Rajsamand
Ph. – 2952-224225, 9414232523

CONTINUING ITS LEGACY OF EXCELLENCE IN ACADEMIC, VALUES, SPORTS, MUSIC AND TECHNOLOGY SINCE 1967

Administrator
Mr. Manoj Kumawat

Principal
Mr. Lalit Puri Goswami

Asso. Administrator
Mr. Dhruv Kumawat

प्रत्यूष

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप - 2025

भारतीय खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

पिछले माह नई दिल्ली में सम्पन्न विश्व पैरा (दिव्यांग) एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने पहली बार 22 पदक जीतकर इतिहास रच दिया। टूर्नामेंट में उतरे 73-सदस्यीय भारतीय दल ने 6 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक देश की झोली में डाले। सात एशियाई और तीन वर्ल्ड रिकार्ड।

प्रशांत अग्रवाल

नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 5 अक्टूबर को सम्पन्न हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की पदक तालिका में मेजबान, भारत भले ही 10वें नंबर पर रहा, लेकिन उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने 22 मेडल झटके। इनमें 6 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। भारत के 30 से ज्यादा एथलीटों ने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन किया। 9 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। 7 खिलाड़ियों ने एशिया का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 3 एथलीटों ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। जब कि कोबे में सम्पन्न पिछले संस्करण में भारत ने 17 पदक ही हासिल किए थे। ब्राजील ने सर्वाधिक 15 स्वर्ण (कुल 44 पदक) जीतकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि चीन ने सर्वाधिक 52 पदक जीते, लेकिन स्वर्ण (13) की संख्या ब्राजील से कम रही और वह दूसरे स्थान पर रहा।

कभी थे हाशिए पर आज सितारे

भारत में पैरा एथलेटिक्स का वर्चस्व एक प्रेरणादायक क्रांति की कहानी है। कभी हाशिए पर रहे पैरा खिलाड़ी आज वैश्विक मंच पर तिरंगा लहरा रहे हैं। नई दिल्ली में पहली बार आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 (27 सितंबर - 5 अक्टूबर)इस बदलाव का प्रतीक है। सुमित अंतिल, दीप्ति जीवंजी और शैलेश कुमार जैसे सितारों ने स्वर्णिम सफलता से इतिहास रचा। सरकारी समर्थन, बेहतर प्रशिक्षण और जागरूकता ने इन नायकों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। 2019 से 2025 तक भारत की पदक तालिका लगातार चढ़ रही है। पैरा खेलों ने भारत के खेल इतिहास में विशेष स्थान बनाया है। ये खेल शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम एथलीटों के लिए आयोजित किए जाते हैं, जो उनकी असाधारण क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। 1968 में भारत ने तेल अवीव पैरालंपिक में दस एथलीटों के साथ पहली बार हिस्सा लिया। तब से 2024 पेरिस पैरालंपिक में 29 पदक पदक का सफर संघर्ष, प्रगति और परिवर्तन की कहानी कह रहा है। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 104 देशों के 2200 से अधिक एथलीटों के बीच भारत के दल ने शानदार प्रदर्शन किया। पैरा खेलों का शुरुआती दौर चुनौतियों से भरा था। सामाजिक पूर्वाग्रह और संसाधनों की कमी ने प्रगति को रोका। 1972 में मुरलीकांत पेटकर ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में भारत का पहला पैरालंपिक स्वर्ण जीता, जो ऐतिहासिक था। 1984 के लास एंजिलिस पैरालंपिक में जोगिंदर सिंह बेदी ने रजत और दो कांस्य, जबकि भीमराव केसरकर ने भाला फेंक में रजत जीता। 1990 के दशक में फिजिकली हैंडीकैप्ड स्पोर्ट्स फेडरेशन आफ इंडिया (अब पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया - पीसीआइ) की स्थापना हुई, जिसे अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक कमेटी और खेल मंत्रालय से मान्यता मिली। 2004 के एथेंस पैरालंपिक में देवेंद्र झाझरिया ने भाला फेंक में स्वर्ण और राजिंदर सिंह ने पावरलिफ्टिंग में कांस्य जीता। 2012 के लंदन पैरालंपिक में गिरिशा होसानगरा नागराजेगौड़ा ने हाई जंप में रजत जीता, जो उस समय भारत का एकमात्र पदक था। 2008 बीजिंग पैरालंपिक में कोई पदक नहीं मिला था। 2012 के बाद पैरा खेलों में क्रांतिकारी बदलाव आया। 2016 रियो पैरालंपिक में 19 एथलीटों ने चार पदक जीते - देवेंद्र झाझरिया का स्वर्ण, दीपा मलिका का रजत और दो कांस्य। यह सफलता सरकारी योजनाओं का परिणाम थी। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम ने वैज्ञानिक प्रशिक्षण, उपकरण और विदेशी कोचिंग प्रदान की। खेलो इंडिया ने ग्रासरूट स्तर पर प्रतिभा खोज को बढ़ावा दिया। 2020 तोक्यो पैरालंपिक में 54 एथलीटों ने 9 खेलों में 19 पदक जीते। 2024 पेरिस पैरालंपिक में 84 एथलीटों ने 12 खेलों में 29 पदक जीते (7 स्पर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य) जीते। सफलताओं के बावजूद, पैरा खेल कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में एक्सेसिबल स्टेडियम, व्हीलचेयर-फ्रेंडली ट्रैक और उपकरणों की कमी है। 2025 विश्व चैंपियनशिप भारत को वैश्विक पैरा स्पोर्ट्स हब के रूप में स्थापित करेगी। नेशनल स्पोर्ट्स पालिसी 2025 पारदर्शिता और ग्रासरूट विकास पर केंद्रित होगी। खेलो इंडिया का विस्तार और लास एंजिलिस 2028 पैरालंपिक की तैयारी भारत को शीर्ष-10 देशों में ला सकती है।

तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड

भारत ने इस चैंपियनशिप में तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एफ64 वर्ग में 71.37 मीटर भाला फेंककर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता शैलेश कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी42 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार विश्व चैंपियन बने रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला एफ46 स्पर्धा में 66.37 मीटर की दूरी तय करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया।

ट्रैक में सबसे ज्यादा पदक

इस विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत द्वारा जीते गए सर्वाधिक ट्रैक पदक हैं। भारत ने नई दिल्ली में छह ट्रैक पदक जीते, जबकि कोबे में पिछले संस्करण में चार पदक जीते थे। सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 श्रेणी में 100 मीटर में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक झटका। संदीप कुमार पुरुषों की 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में ट्रैक पदक जीतने वाले पहले पुरुष भारतीय पैरा एथलीट बने।

(लेखक नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष हैं)

प्रत्यूष

डॉ. लक्ष्यराजसिंह तीसरी बार अध्यक्ष

उदयपुर। उदयपुर क्रिकेट एसोसिएशन (यूडीसीए) के चुनाव में डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ के तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर अभिनंदन किया गया। सचिव पद पर क्रिकेट प्रशिक्षक मनोज चौधरी चुने गए। कार्यकारिणी में पांच उपाध्यक्ष, चार संयुक्त सचिव निर्विरोध चुने गए। वहीं डिप्टी प्रेसिडेंट, कोषाध्यक्ष, पीआरओ पद पर रोमांचक मुकाबला हुआ। डिप्टी प्रेसिडेंट मनोज भटनागर, कोषाध्यक्ष महेन्द्र शर्मा, पीआरओ रजनीश शर्मा निर्वाचित हुए। वाइस प्रेसिडेंट पद पर मोहम्मद शाहीद, कुबेरसिंह, राकेश खोखावत, विनोद कुमार राठौड़, यशवंत पालीवाल और सुरेश सोनी, मुकेश कुमावत, अनीस इकबाल और हर्षवर्धन जैन निर्विरोध चुने गए। एक्जीक्यूटिव मेम्बर किशन चौधरी, हेमंत खटीक, अभिषेक शर्मा, अशोक परदेसी, राजेन्द्र जैन, धनपाल जैन, पीसी लोढ़ा चुने गए।

ऑथ्योमोलॉजी अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेस में डॉ. झाला ने भाग लिया

उदयपुर। अलख नयन मंदिर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ एलएस झाला ने डेनमार्क के कोपनहेगन में सितंबर में 5 दिवसीय यूरोपियन सोसायटी ऑफ कैटरेक्ट एण्ड रिफ्रेक्ट्रिव सर्जरी इंटरनेशनल कांफ्रेस में भाग लिया। अस्पताल की निदेशक लक्ष्मी झाला ने बताया कि डॉ. झाला ने इस दौरान दक्षिण राजस्थान में अंधता पर किए जा रहे कार्यों, ऑपरेशन एवं इनमें हो रहे नए विकास, अनुसंधान पर शोध पत्र पढ़े। सम्मेलन में विश्व से 8 से 10 हजार नेत्र चिकित्सकों ने मोतियाबिंद के ऑपरेशन में काम अपने वाली मशीनों तथा नेत्र रोग संबंधी जटिलताओं के उन्मूलन में हो रहे अनुसंधानों पर चर्चा की।

प्रवीण सुथार को लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

उदयपुर। जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित राइजिंग भारत समिट एंड अवार्ड 2025 कार्यक्रम में उदयपुर के उद्योगपति तथा फोर्टी राजस्थान ब्रांचेज चेयरमैन प्रवीण सुथार को उत्कृष्ट योगदान के लिए लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उद्योग जगत में नवाचार को प्रोत्साहित करने, उद्यमशील नेतृत्व स्थापित करने, एमएसएमइ सेक्टर को सशक्त बनाने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रदान किया गया।

राहुल अग्रवाल को अग्र रत्न सम्मान

उदयपुर अग्रवाल समाज उदयपुर की ओर से पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन और समाजसेवी राहुल अग्रवाल को अग्र रत्न सम्मान दिया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला। राहुल अग्रवाल को अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति की ओर से वैष्णव समाज अध्यक्ष संजय अग्रवाल, लश्करी समाज अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, अग्रवाल समाज अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं ललित अग्रवाल ने संयुक्त रूप से सौंपा। इस मौके पर पीएमसीएच चेयरमैन प्रीति अग्रवाल, अमर अग्रवाल एवं राजकुमार अग्रवाल सहित कई गणमान्य अग्रबंधु उपस्थित रहे। राहुल अग्रवाल ने ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गरीब और जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई है।

जयशंकर राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना प्रचार प्रसार अभियान के तहत राजस्थान प्रदेश के उपाध्यक्ष पद पर जयशंकर राय को नियुक्त किया गया है। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट कांतिलाल जोशी ने दी। राय को मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। उन्हें अक्टूबर 2025 से 2028 तक के लिए यह नियुक्ति दी गई है।

St. Anthony's Sr. Sec. School

Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all a

Happy Diwali

478/479, Sector-4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

प्रथम पुण्यतिथि

हमारे प्रिय एवं आदरणीय

श्रीमान इं. रामसुरेशजी यादव

(CMD UNIQUE GROUP)

निधनः 14 नवम्बर 2024

(सुपुत्र स्व. श्रीमती महरजिया देवी–स्व. बैजनाथ जी यादव)

सभी परिवारजन विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

लीलावती देवी *(धर्मपत्नी),*

अतुल–शर्मिष्ठा *(पुत्र–पुत्रवधू),* ***चेतन्य*** *(पुत्र),*

दीपचंद *(चाचा),* ***रमावती देवी–परशुरामजी, लीलावती देवी–जयरामजी,***

शांतिदेवी–संजय जी, स्व. प्रमिला–जय श्री यादव *(बहन–बहनोई)*

एवं समस्त यादव परिवार **Mo.: 99298 10101, 79912 30101**

निवासः मकान नं. 18-19 बड़बड़ेश्वर महादेव रोड,
जीवनतारा रिसोर्ट के पीछे, देवाली, उदयपुर

प्रतिष्ठान

UNIQUE ENGINEERING PVT. LTD.

प्रत्यूष

लालू के लालों में कलह से उभरी नई सियासी कहानी

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। राजद सुप्रीमो लालू यादव की राजनैतिक विरासत के दावेदार तेज प्रताप और तेजस्वी यादव के बीच टकराव तेज होता दिख रहा है। महुआ विधान सभा क्षेत्र भी दोनों के बीच नाक का सवाल बन रहा है। तेज प्रताप वहां से चुनाव लड़कर विधानसभा में पहुंचने की हुंकार भर चुके हैं, जब कि तेजस्वी यादव ने यह साफ कर दिया है कि राजद से वहां वही उम्मीदवार होगा, जिसने पिछला चुनाव जीता था।

उमेश शर्मा

यह सिर्फ दो भाइयों की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्रीय जनता दल की राजनीति और भविष्य पर सवाल खड़े करती है। एक तरफ तेज प्रताप की अलग राह उनके समर्थकों को नई उम्मीद दे रही है, तो दूसरी तरफ तेजस्वी की पार्टी पर कड़ी पकड़ भी मजबूत दिख रही है। इस राजनीतिक टकराव से महुआ विधानसभा क्षेत्र के मतदाता भी अब चुनावी मुकाबले को पहले से ज्यादा रोचक और चुनौतीपूर्ण देख रहे हैं। तेज प्रताप की अलग राजनीति नए समीकरण बना रही है और तेजस्वी की पार्टी राजद भी अपने दम पर टिके रहने की कोशिश में है।

पिछले दिनों मीडिया को दिये इंटरव्यू में तेजस्वी यादव ने कहा था कि महुआ विधानसभा क्षेत्र से वही चुनाव लड़ेगा जो पार्टी (राजद) का होगा। इसके तुरंत बाद महुआ की जनसभा में वर्तमान विधायक मुकेश रोशन को बगल में खड़ा कर तेजस्वी यादव ने फिर यह संकेत दे दिया कि उनके मन में मुकेश रोशन ही हैं। यानी महुआ में राजद के कैंडिडेट वही होंगे और सामने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार तेज प्रताप यादव होंगे। राजद की राजनीति दिलचस्प मोड़ पर है। राजनीति में रिश्ते और राजनीति का मेल अक्सर नई सियासी कहानी को जन्म देता है, लेकिन बिहार की राजनीति में यह मेल अब तेज प्रताप और तेजस्वी के बीच टकराव के रूप में उभरता जा रहा है। ऐसे में बिहार में राजनीति को जानने-समझने वालों की नजरें महुआ विधासभा पर टिकना स्वाभाविक है।

अब मैं न लौटूंगा

तेज प्रताप यादव ने बहुत साफ कहा है कि वे राजद की राजनीति में अब नहीं लौटेंगे। उन्होंने कसम भी खाई कि राजद की चौखट पर कदम नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि लंबे समय से पार्टी के अंदर चल रहे मनमुटाव और नेतृत्व के फैसलों से वे खुद को अलग कर चुके हैं। तेज प्रताप की यह 'ना' महुआ विधानसभा में उनकी राजनीति को एक नए मुकाम पर ले आई है। उनका मानना है कि अगर पार्टी में उनका सम्मान और स्थान नहीं है तो वे अकेले ही अपनी राजनीति का स्तूप खड़ा करेंगे। जबकि, तेजस्वी यादव ने भी साफ संकेत दे दिए हैं कि वे बड़े भाई को पार्टी में वापस नहीं चाहते। महुआ विधानसभा क्षेत्र दोनों भाइयों के लिए महत्वपूर्ण है और अब वह पारिवारिक राजनीतिक जंग का मैदान बन गया है।

ब्लैक बोर्ड पर नई कहानी

तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' के नाम से बना भी ली है। निर्वाचन आयोग ने पार्टी को 'ब्लैक बोर्ड' चुनाव चिन्ह आवंटित किया है। इस क्रम में सबसे बड़ी बात ये है कि तेज प्रताप ने अपने पिता लालू यादव को ही पार्टी के पोस्टर से गायब कर दिया है।

महायुद्ध का मैदान

दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने भी साफ संकेत दिया है कि पार्टी राज्य में तेज प्रताप के बिना चुनाव लड़ना चाहती है। उनका यह रूख बताता है कि वे पारिवारिक कलह में राजनीतिक तौर पर अपने पक्ष को मजबूत बनाना चाहते हैं। यह रणनीति एक तरह से पार्टी की साख बचाने की कोशिश भी है। ऐसी स्थिती में महुआ विधानसभा क्षेत्र अब केवल एक चुनाव क्षेत्र नहीं रहा, बल्कि लालू यादव दोनों बेटों 'राजनीतिक महायुद्ध' का मैदान होगा।

सुलह के रास्ते बंद

तेज प्रताप का अलग होना और तेजस्वी का अपने पक्ष को मजबूती देना इस बात का संकेत है कि राजद के भीतर अब मतभेद सतही न होकर गहरा गए हैं। यह साफ हो गया है कि राजद के भीतर अब दोनों भाइयों के बीच दूरी इतनी बढ़ गई है कि वापसी या

मेल-मिलाप की उम्मीद अब कम है। तेज प्रताप का स्पष्ट 'ना' और तेजस्वी का ठोस रूख पार्टी में गहरे मतभेदों की तरफ इशारा करता है। इसका असर राजद के संगठन और चुनावी रणनीति पर भी भारी पड़ सकता है। चुनाव के ऐन वक्त पर भरत मिलाप का दृश्य बन जाए तो अलग बात है। दोनों भाई ही नहीं बहिन मीसा के स्वर की तल्खी भी इस कहानी का कैनवस बनती दिखाई पड़ रही है।

परिदृश्य दिलचस्प

बहरहाल, महुआ विधानसभा क्षेत्र अब एक खास राजनीतिक रणभूमि बन चुका है, जहां दो यादव भाइयों के बीच सीधे मुकाबले के लिए शंखनाद होता दिख रहा है। यह मुकाबला न सिर्फ राजद के लिए, बल्कि पूरे बिहार की राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। तेज प्रताप की अलग राह और तेजस्वी के नेतृत्व में राजद की रणनीति बिहार की राजनीति में एक नए केंद्र की आधारशिला रख सकती है।

पैर की हड्डी कटवा रहीं युवतियां

तुर्किए के इस्तांबुल में महिलाएं सही साथी की चाह में अपनी लंबाई कम करवा रही हैं। इसके लिए वे अपने पैरों की सर्जरी के जरिए हड्डी कटवाने पर आमादा हैं। तुर्किए समेत पश्चिमी एशिया के देशों में महिलाओं की लंबाई औसत से ज्यादा होती है। अधिकतर महिलाओं का मानना है कि यदि उनकी लंबाई ज्यादा होगी तो पार्टनर मिलना मुश्किल हो जाएगा। उन्हें लगता है कि पुरुष अपने से लंबी महिलाओं के साथ अजीब महसूस करते हैं। इसी वजह से यह सर्जरी अब कॉस्मेटिक मकसद के लिए लोकप्रिय हो रही है। तुर्की के इस्तांबुल में कई अस्पताल पैकेज के तौर पर इस सर्जरी का ऑफर दे रहे हैं। इसमें मुफ्त टूर और बोट राइड शामिल है।

इस तरह की जाती है 'ऑस्टियो शॉर्टनिंग' सर्जरी

ऑस्टियो शॉर्टनिंग नाम की इस सर्जरी में पैर की हड्डी को काटकर कुछ हिस्सा निकाल देते हैं और हड्डियों को मेटल रॉड से जोड़ देते हैं। हालांकि इसमें जोखिम भी है क्योंकि इसे ठीक होने में लंबा समय लगता है और नसों को भी नुकसान हो सकता है।

साहसी देशभक्त इन्दिरा गांधी

जन्मः 19 नवंबर 1917
निधनः 31 अक्टूबर 1984

पंकजकुमार शर्मा

वर्ष 1965 की गर्मियों में इंदिरा गांधी नई दिल्ली छोड़कर लंदन में बसने के बारे में सोच रही थीं। तब वह अपने पिता जवाहर लाल नेहरु के उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के मंत्रीमंडल में मंत्री हुआ करती थीं। उनकी राजनीतिक संभावनाएं बहुत उज्जवल नहीं थीं। लेकिन इंग्लैंड के प्रति उनका खिंचाव निजी कारणों से था। उनके दोनों बेटे राजीव और संजय वहीं पढ़ रहे थे, तभी कुछ ऐसा हुआ कि श्रीमती-गांधी ने स्वदेश में रहने का फैसला किया। जनवरी 1966 में ताशकंद में दिल के दौरे से शास्त्री जी की मौत के बाद उनसे प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालने को कहा गया। इस जिम्मेदारी के लिए सिंडीकेट ने उन्हें चुना था, जो तब सत्ताधारी कांग्रेस को चलाने वाले तथाकथित वरिष्ठ नेताओं का समूह था। उनका गणित यह था कि नेहरू की बेटी का राज्यारोहण कम समय में दो प्रधानमंत्रियों की मौत से आहत देश के लिए मरहम का काम करेगा। साथ ही, राजनीति में नौसिखिया होने के कारण उन्हें अपने हिसाब से चलाया जा सकेगा। सत्ता के आसन पर शुरुआत जरूर हिचकिचाहट भरी रही, लेकिन समय के साथ श्रीमती गांधी का आत्मविश्वास बढ़ता गया। 1969 में उन्होंने अपने को इतिहास की प्रगतिशील ताकतों की प्रतिनिधि और सिंडीकेट को प्रतिक्रियावादियों का झुंड करार देते हुए खुद को उनके शिकंजे से आजाद कर लिया। उन्होंने बैंकों, खदानों और तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया, पूर्व महाराजाओं की पदवियां और विशेषाधिकार खत्म कर दिए और गरीबी हटाओ के रोमांचक नारे पर 1971 का आम चुनाव भारी बहुमत से जीत लिया। चुनाव जनवरी में हुए और उसी साल के आखिरी महीने में उन्होंने पाकिस्तान पर भारत की सैन्य फतह में सबसे अहम भूमिका अदा की, जिससे पड़ोसी मुल्क के दो टुकड़े हो गए और स्वतंत्र बांग्लादेश का जन्म हुआ। गांधीवादी जयप्रकाश नारायण ने 1974 में सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन छेड़ा। जून 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री को चुनावी कदाचरण का दोषी पाया। इस दोहरी राजनीतिक और न्यायिक चुनौती के जवाब में श्रीमती गांधी ने देश में आपात स्थिति की घोषणा की, प्रेस पर सेंसर लगा दिया और विरोधियों को जेल में डाल दिया। आपात स्थिति 1977 तक जारी रही।

मार्च में हुए चुनाव में चार अलग-अलग पार्टियों से मिलकर बनी जनता पार्टी के हाथों कांग्रेस का सफाया तो हो गया लेकिन नई सरकार तीन साल भी नहीं चल सकी और अपने ही अंतर्विरोध के बोझ से भरभराकर गिर गई । 1980 में श्रीमती गांधी और कांग्रेस स्थिरता के नारे पर पुनः सत्ता में लौटी। उनके चौथे कार्यकाल में पहले दो साल घटनाविहीन थे, पर आंध्रप्रदेश में उन्हें असंतोष, पूर्वोत्तर में अलगाववादी हलचलों और पंजाब में पृथकतावादी विद्रोह का सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी ने पंजाब में उपद्रवों को सख्ती से कुचला ताकि 1985 में होने वाले चुनाव में वह अपने को भारत और अराजकता के बीच मज़बूत दीवार की तरह पेश कर सके । जून 1984 में उन्होंने स्वर्ण मंदिर में, जहां सिख आतंकवादियों के एक गुट ने कब्जा कर लिया था, सैन्य कार्रवाई का हुक्म दिया। आतंकवादी मारे गए, पर कार्रवाई से परिसर की दूसरी सबसे पवित्र इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। पांच महीने बाद दो सिख सुरक्षा गार्डों ने बदले की भावना से प्रधानमंत्री के शरीर को गोलियों से छलनी कर दिया। इसमें कोई शक नहीं कि वह संपूर्ण देशभक्त थीं। 1971 के शरणार्थी संकट (जब 90 लाख पूर्व पाकिस्तानी भागकर भारत आ गए थे) और उसके बाद होने वाले युद्ध के दौरान उन्होंने अप्रतिम साहस के साथ भारत का बेहतरीन नेतृत्व किया। उनकी शहादत देश सदैव आदर के साथ याद करेगा।

नितिन मेनारिया, डायरेक्टर, 94137-52497

शंकरलाल मेनारिया, संस्थापक/संचालक
प्रिंसीपल

बाल विनय मंदिर, उच्च माध्यमिक विद्यालय
(आवासीय)

J-11, हरिदासजी की मगरी, उदयपुर 313 001
Ph.: 0294-2430388, Mobile: 94141 64388 E-mail: balvinaymandirschool@gmail.com

UDAIPUR HOTEL
(APPROVED BY GOVT. OF RAJASTHAN)

SPECIALITY & FACILITIES

- Parking
- Situated in Heart of City
- Homely Atmosphere
- Rooms Connected with Telephone
- A/C & Cooler Rooms
- T.V. With Cable Connection
- Near to bus & Railway Station

Surajpole, Udaipur-313001 (Raj.)
Telephone Number :- 0294-2417115-116

प्रत्यूष

बचपन में ही रास आई दारा को पहलवानी

लक्खा सिंह पर टकटकी लगाए खड़ी भीड़ में अचंभित एक बच्चा दीदार सिंह भी था। उसने पहली बार लक्खा की भीमकाय कद-काठी पर गौर किया। अद्भुत इंसानी शरीर है या कोई जादू। अंग-अंग फड़कते और तेज से चमकते लक्खा पहलवान किसी देवदूत से कम नहीं लग रहे थे।

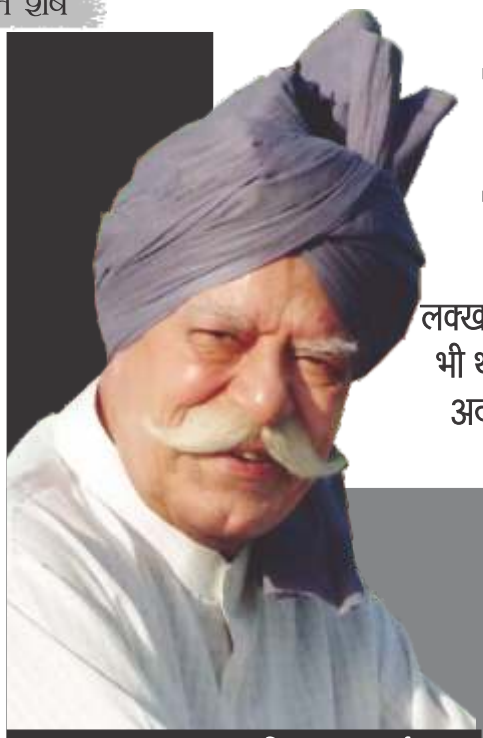

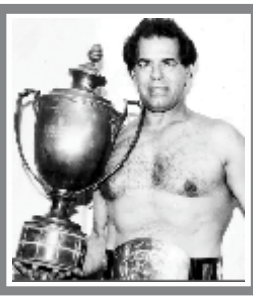

जन्म 19 नवम्बर 1928 निधन 12 जुलाई 2012

सौंदर्य और बल, दो ऐसे पहलू हैं, जिनसे मुंह मोड़ना मुश्किल है। यहां बुद्धि काम नहीं करती, स्वाभाविक ही कोई भी बलशाली सबका ध्यान खींच लेता है। अब तो पहलवानी की संस्कृति नहीं रही, क्योंकि कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत है, किसी को एक थप्पड़ मारना भी अपराध के रूप में दर्ज हो सकता है, पर पहले के दौर में पहलवानों का अलग ही जलवा था। गांव-गांव में पहलवान हुआ करते थे और उनसे जुड़ी अजब-गजब संस्कृति हुआ करती थी। जिस गांव में पहलवान नहीं होते थे, अक्सर उस गांव को धन या रसद देकर कीमत चुकानी पड़ती थी। एक बार पंजाब के धरमूचक्क गांव में सुबह-सुबह ही एक पहलवान आ धमका। उसने ललकारा कि क्या कोई है गांव में, जो कुश्ती के मुकाबले के लिए सामने आए। गांव भर में दहशत फैल गई। खैर गांव के पास एक-दो पहलवान थे, उनमें से एक लक्खा सिंह की भुजाएं फड़क उठी कि अपने गांव को किसी ने ललकारा है, धूल चटाकर ही लौटना चाहिए। लक्खा सिंह जब मुकाबले के तैयार हुए, तब पूरा गांव उनके पीछे खड़ा हो गया। मिन्नतें करने लगा कि गांव की लाज बचा लो। लक्खा सिंह पर टकटकी लगाए खड़ी भीड़ में अचंभित एक बच्चा दीदारसिंह भी था। उसने पहली बार लक्खा सिंह की भीमकाय कद-काठी पर गौर किया। अद्भुत इंसानी शरीर है या कोई जादू। अंग-अंग से फड़कते और तेज से चमकते लक्खा सिंह पहलवान किसी देवदूत से कम नहीं लग रहे थे। अब यही गांव के धन-मान को बचाएंगे। ललकारने वाला पहलवान भी कम नहीं था, लंगोट बांधे पूरी तैयारी से आया था। खैर, पहलवानों की टक्कर हुई, कभी कोई भारी, तो कभी कोई हावी। शाम हो गई, तो मुकाबला बराबर पर रोक दिया गया। ललकारने वाला पहलवान चुपचाप लौट गया। लक्खा के जयकारे लगने लगे। वह आठ साल का बच्चा दीदार तो किसी दूसरी ही दुनिया में पहुंच गया, जहां सिर्फ पहलवान रहते थे। उस दिन घर लौटकर बालक ने पूरे दमखम के साथ घोषणा कर दी मेरे लिए भी लंगोट सिलवा दो। मां ने पूछा लंगोट का तुझे क्या करना है? दीदार ने उत्साह से लबरेज जवाब दिया। मैं भी दण्ड बैठक करुंगा। पहलवानी में मन खूब रमने लगा। लक्खा सिंह पहलवान भी दिन भर खेतों में काम करते थे और शाम को कुएं पर नहाते थे। बालक दीदार लगभग रोज चुपचाप कुएं के चबूतरे में बैठ जाते और लक्खा को मुग्ध भाव से निहारा करते थे कि काश ऐसा ही शरीर हो जाए, तो मजा आ जाए। दीदार भी अब रोज लंगोट कसते, बदन पर तेल लगाते और दण्ड बैठक में जुट जाते। छोटे-मोटे मुकाबलों में भी उतरने लगे। एक बार गांव के सरपंच ने मुकाबला कराया, तो दीदार के खिलाफ एक बड़े किशोर पहलवान जमाला को उतार दिया गया। जमाला खानदानी पहलवान था, तो लोग तय मान रहे थे कि दीदार कुछ ही देर में ढेर हो जाएगा, पर कुछ ही देर में जमाला चित हो गया। फिर क्या था, गांव के लोगों ने दीदार को कंधों पर उठा लिया। जयकारे लग गए। सरपंच ने आठ आने मतलब पूरे पचास पैसे दिए। यह पहलवानी की पहली कमाई थी। गांव में धूम मच गई कि दारे ने जमाले को चित कर दिया। बहरहाल, दीदार उर्फ दारे उर्फ दारा के परिवार के पास ज्यादा जमीन नहीं थी। गरीबी की वजह से पढ़ाई तो स्कूल में ही छुड़वा दी गई थी। खेतों में कड़ी मशक्कत में लगा दिया गया। अंततः हालात ऐसे बने की दारा को भी अपने एक चाचा के साथ सिंगापुर जाना पड़ा। ड्रम बनाने वाली कंपनी में काम मिला। तब 18 साल के हो चुके दारा की पहलवानी चाल और ऊंची कदकाठी किसी से छिपती नहीं थी। लोग ही उन्हें प्रेरित करते, कहां मजदूरी में खर्च हो रहे हो, पहलवानी करो। किस्मत का खेल हुआ, सिंगापुर में गुरु हरनामसिंह से मुलाकात हो गई और दारा सिंह पेशेवर कुश्ती में उतर गए। मजदूर के रूप में सिंगापुर गए थे और ख्यात पहलवान के रूप में देश लौटे। दारा ने अनेक दिग्गज पहलवानों को धूल चटाया। रूस्तमे-हिंद कहलाए। फिल्मों में भी खूब काम किया। जीवन में किसी तरह का अभाव नहीं रहा। वह राज्यसभा के लिए मनोनीत होने वाले पहले खिलाड़ी बने। दारासिंह को रामानंद सागर के टीवी धारावाहिक 'रामायण' में हनुमान की भूमिका के लिए हमेशा याद किया जाता रहेगा। सबसे बड़ी बात, उनके पहलवान शरीर में एक बहुत बेहतरीन इंसानी दिल था। अपने अंतिम दिनों में जब कोई उनसे पूछता था कि आपकी अंतिम इच्छा क्या है, तो वह बोलते थे, बस इतना करो कि टीवी पर 'रामायण' लगा दो। एक बार फिर देख लूं।

प्रस्तुतिः ज्ञानेश उपाध्याय

वाह हलवा !

ठंड के मौसम में गर्म-गर्म हलवा खाने का मजा ही कुछ और है। कुछ स्वादिष्ट और पौष्टिक हलवे की रेसिपी बता रही हैं -ज्योति मोघे

आलू का शीरा

कितने लोगों के लिए : 04
कुकिंग टाइम : 40 मिनट

सामग्री

उबले आलू – 250 ग्राम, चीनी – 100 ग्राम, घी – 2 चम्मच, इलायची पाउडर – 1/2 चम्मच, कटे हुए सूखे मेवे – 3 चम्मच

विधि

उबले आलू का छिलका छीलकर उसे अच्छी तरह से मैश कर लें। कड़ाही में घी गर्म करें और मैश किए हुए आलू को अच्छी तरह से भून लें। चीनी डालें और मिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक–सा हो जाए और चीनी घुल जाए तब उसमें इलायची पाउडर डाल दें। अब उसमें कटे हुए मेवे मिला दें। सर्विंग बाउल में निकालें। मेवों से सजा कर सर्व करें।

कच्ची हल्दी का हलवा

कितने लोगों के लिए : 05
कुकिंग टाइम : 60 मिनट

सामग्री: कच्ची हल्दी – 250 ग्राम, गुड – 250 ग्राम, घी – 1 चम्मच, खोया (हल्का भुना–सा)–1 कटोरी, सूखे मेवे – 1/2 कप, मगज के बीज – 2 चम्मच, पानी में भिगोये छुहारे – 10, दूध – 2 कप

गार्निशिंग के लिए : काजू, बादाम, पिस्ता, किशमिश, मगज के बीज : 2 चम्मच कतरे हुए, चांदी का वर्क

विधि : सबसे पहले कच्ची हल्दी को धोकर छिलका छी लें और कद्दूकस कर लें। अब भीगे हुए छुहारे के बीज निकालकर छोटे टुकड़ों में काट लें और मिक्सी में पीस लें। जिस पानी में छुहारों को भिगोया है, उसका इस्तेमाल पीसने में भी करें। अब एक पैन में घी डालकर गर्म करें। कद्दूकस किया हल्दी और दूध डालकर धीमी आंच पर भूनें। जब मिश्रण घी छोड़ने लगे तब उसमें छुहारे का मिश्रण डालें और कुछ दरे तक भूनें। गुड़, खोया, काजू, बादाम, पिस्ता और किशमिश डालकर मिलाएं और गैस बंद कर दें। सर्विंग बाउल में तैयार हलवा निकालकर उसके ऊपर काजू, बादाम, पिस्ता की कतरन, मगज के बीज, किशमिश और चांदी का वर्क लगाकर हल्दी का हलवा सर्व करें।

कॉर्न हलवा

कितने लोगों के लिए : 02 कुकिंग टाइम : 35 मिनट

सामग्री: मक्के का आटा – 2 कटोरी, चीनी – एक कटोरी, इलायची पाउडर – 1/2 चम्मच, कद्दुकस किया नारियल – 1/2 कटोरी, घी – 1/2 कटोरी, कटे हुए सूखे मेवे – आवश्यकतानुसार, दूध – आवश्यकतानुसार

विधि : सबसे पहले पैन में घी डालकर मक्के के आटे को भून लें। अब पैन में दूध डालें और मक्के के आटे और दूध को पकाएं। जब दूध और मक्के का आटा पक जाएं तो पैन में चीनी, इलायची पाउडर और सूखे मेवे डालकर मिलाएं। मिश्रण के हल्का गाढ़ा होते ही गैस बंद कर दें। हलवे को सर्विंग बाउल में निकालें। ऊपर से कद्दूकस किया नारियल डालें और पेश करें।

अंजीर का हलवा

कितने लोगों के लिए : 02 कुकिंग टाइम : 50 मिनट

सामग्री: सूखे अंजीर – 100 ग्राम, घी – 2 चम्मच, मिल्क पाउडर – 1 चम्मच, चीनी – 2 चम्मच, इलायची पाउडर – 1/4 चम्मच, दूध – 1 कप

गार्निशिंग के लिए : सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि : सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालें और ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें।

प्रत्यूष

वक्त पर इलाज ही बचाव की कुंजी

टीबी यानी क्षयरोग बैक्टीरिया से होने वाला गंभीर संक्रमण है। यह दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। विडम्बना यह है कि उपचार संभव होने के बाद भी हर साल लाखों लोग इसके गंभीर संक्रमण और समय पर उपचार न मिलने से जान गंवा देते हैं।

डॉ. अनीता शर्मा

टीबी के ज्यादातर मामले ऐसे लोगों में देखे जाते हैं, जो अधिक भीड़-भाड़ वाले गंदे क्षेत्रों में रहते हैं ओर कुपोषण के शिकार होते हैं। पर, यह सिर्फ गराबों को होने वाला रोग नहीं है। धूम्रपान व नशा भी इसके बड़े कारण हैं। पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में भी टीबी के मामले बढ़े हैं। बदली जीवनशैली, खानपान की गलत आदतें, घटती सक्रियता, घरों में कैद होता बचपन, बच्चों के इम्यून तंत्र पर लगातार हमला कर रहे हैं।

कारक जो बढ़ा देते हैं जोखिम

- कमजोर इम्यून तंत्र व कुपोषण
- एचआईवी/एड्स का संक्रमण
- नशीले पदार्थों का सेवन
- डायबिटीज, किडनी से जुड़े रोग व कई तरह के कैंसर
- रूमेटॉएड आर्थ्राइटिस, क्रोहन डिजीज और सोरियासिस के उपचार में दी जाने वाली दवाएं

हो जाएं सतर्क

- दो सप्ताह से अधिक समय लगातार खांसी रहना
- बलगम के साथ खून आना
- वजन तेजी से कम होना
- रात में पसीना आना
- अधिक समय तक लगातार बुखार रहना
- भूख न लगना और थकान रहना।
- जब टीबी केवल फेफड़ों को प्रभावित करती है, तब उपरोक्त लक्षण दिखाई दे सकते हैं। संक्रमण दूसरे अंगों तक फैल चुका हो, तब लक्षण अलग-अलग होते हैं। जैसे, रीढ़ की हड्डी की टीबी में लगातार तेज कमर दर्द हो सकता है और किडनी में टीबी होने से पेशाब में खून आ सकता है।

टीबी और अन्य स्वास्थ्य जटिलताएं

रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं : कमर दर्द और रीढ़ में अकड़न टीबी की सबसे सामान्य जटिलता है। समय पर उपचार न होने पर स्पाइनल कॉर्ड क्षतिग्रस्त हो सकती है और लकवा मार सकता है।

जोड़ों का क्षतिग्रस्त होना : टीबी गठिया सामान्यत: कूल्हों और घुटनों के जोड़ों को प्रभावित करती है, जिससे जोड़ों में दर्द और गति प्रभावित होने लगती है।

मेनिंजाइटिस : जब टीबी, मस्तिष्क पर असर डालता है तो मस्तिष्क को ढकने वाली भित्ती में सूजन आ जाती है, जिससे लगातार या रूक-रूक कर सिर में दर्द होता है। दिमाग में बदलाव भी आ जाते हैं। इसे टीबी मेनिंजाइटिस कहते हैं। समय पर उपचार न कराने पर मरीज कोमा में जा सकता है।

किडनी और लिवर की समस्याएं : टीबी किडनी और लिवर तक पहुंच कर इन अंगों के काम पर असर डालती है। किडनी में टीबी होने पर पेशाब करने पर जलन होती है और पस भी निकल सकता है।

क्या है टीबी

माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक बैक्टीरियम से यह संक्रमण होता है। यह मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है, पर रक्त के प्रवाह के साथ संक्रमण दूसरे अंगों तक भी पहुंच सकता है। कुल टीबी के मामलों में से 80 प्रतिशत फेफड़ों में होते हैं, बाकी 20 प्रतिशत लिम्फ नोड, स्पाइन, किडनी, लिवर, मस्तिष्क, हड्डियों और अन्य अंगों में होते हैं। टीबी का संक्रमण एक से दूसरे व्यक्ति तक खांसने और छींकने के दौरान बाहर निकली छोटी-छोटी बूंदों के हवा में शामिल होने से फैलता है।

कई तरह की टीबी

टीबी के बैक्टीरिया से संक्रमित होने के बावजूद यह जरूरी नहीं कि टीबी हो ही जाए। इसके बैक्टीरिया काफी समय तक शरीर में छिपकर रह सकते हैं। भले ही संक्रमण को हुए 15-20 साल हो जाएं, जैसे ही इम्यून तंत्र कमजोर पड़ता है, व्यक्ति टीबी का शिकार हो सकता है। टीबी को दो प्रकार में बांटा गया है:

लेटेंटटीबी : इस स्थिति में, बैक्टीरिया शरीर में निष्क्रिय स्थिति में होते हैं और लक्षण दिखाई नहीं देते। इसे इनएक्टिव या निष्क्रित टीबी कहते हैं। यह टीबी संक्रामक नहीं होती है। लेकिन, यह सक्रिय टीबी में बदल सकती है, इसलिए उपचार जरूरी है। एक अनुमान के अनुसार, दुनिया में करीब 2 अरब लोग निष्क्रिय टीबी से पीड़ित हैं।

एक्टिव टीबी : यह टीबी व्यक्ति को बीमार बना सकती है और दूसरों को भी संक्रमित कर सकती है। यह टीबी के बैक्टिरिया के संपर्क में आने के कुछ ही सप्ताह या वर्षों बाद भी हो सकती है।

हृदय रोग : टीबी से दिल के आसपास के ऊतकों में सूजन आ जाती है, जो खतरे को बढ़ा देती है। **बांझपन :** जब टीबी पैदा करने वाले बैक्टीरिया प्रजनन मार्ग में पहुंच जाते हैं, तब जेनाइटल टीबी या पेल्विक टीबी हो जाती है, जो महिलाओं और पुरुष दोनों में बांझपन का कारण बन सकती है।

टीबी के उपचार के लिए छह से नौ महीने तक एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं। दवाएं कितने समय लेनी होंगी, यह उम्र, सेहत, संभावित ड्रग रेजिस्टेंस, और टीबी के प्रकार पर निर्भर करता है।

इन बातों का रखें खयाल

■ अगर एक्टिव टीबी है, तो उपचार में कुछ सप्ताह का समय लग सकता है। इस दौरान ये जरूरी कदम उठाएं –

■ अगर तीन सप्ताह या अधिक समय तक लगातार खांसी आए तो डॉक्टर से जांच कराएं।

■ डॉक्टर की बताई दवाएं नियमित लें।

■ छींकते या खांसते समय रूमाल का इस्तेमाल जरूर करें।

■ जब तक डॉक्टर मना न करें, दवाएं बंद न करें।

■ यहां-वहां न थूकें।

■ दूसरे लोगों से अलग कमरे में रहें।

■ उपचार के दौरान पहले 3-4 सप्ताह तक स्कूल, कॉलेज या ऑफिस न जाएं।

बचाव है संभव

■ नवजात शिशु को बैसिलस कैलट्टे ग्वेरिन (बीसीजी) वैक्सीन लगवाएं, यह बच्चों को माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के गंभीर संक्रमण से बचाता है। बड़ों के लिए भी वैक्सीन है, इसके अलावा ये बातें संक्रमण से बचाव कर सकती हैं-

■ संतुलित और पोषक भोजन खाएं। दालें, फलियां, मौसमी फल, हरी साग-सब्जियां लियमित भोजन में जरूर शामिल करें।

■ रोज हल्का-फुल्का व्यायाम करें। इससे इम्यून तंत्र शक्तिशाली बनता है।

■ धूम्रपान न करें। शराब व नशीले पदार्थों से बचें।

■ संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें।

■ भीड़-भाड़ और गंदगी वाली जगहों पर मुंह को ढक कर रखें।

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

Happy Diwali

Hemant Chhajed
Director

UDAY

Uday Microns Private Limited

Manufacturer of High Grade Micronised Talc, Soapstone, Calcite, Dolomite and Chinaclay Powder

Mob. : 94141 60757, Fax : 2525515, Email : udaymicrons@yahoo.co.in
Fact.: E-277 Road No. 4, Bhamashah Industrial Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

मेरा पहला प्यार

जनकदुलारी जोशी

अपनी ही मौज में झूमते पेड़-पौधे, लताओं और फूलों से लहलहाते उद्यान में जैसे छोटी- सी कली अपने होने का गर्व करती है,वैसे ही मैं भी अपने बौद्धिक संपदा से समृद्ध,बड़े से परिवार में अपने पहले प्यार के सानिंध्य में रहने पर गौरव महसूस करती थी। मैं अपने इस प्यार के साथ अति प्रसन्न और संतुष्ट रहती थी। अक्षरज्ञान के साथ ही मैं उससे घुलमिल गयी थी। वह हमेशा मुझसे नये परिधान और परिवेश में मिलता था। उम्र के साथ ही मेरा प्यार परवान चढ़ने लगा । जैसे ही मौका मिलता हम साथ हो लेते। हवेलीनुमा बड़े से घर में चौक, पठार,बरामदा, बखारी , कमरा, सीढ़ियां , आकाशिया, दमदमा, छत जहां एकांत मिलता हम वहीं साथ-साथ गपियातें थें , एक- दूसरे को समझने का प्रयास करतें थे । उसकी खुशबू , उसका स्पर्श मेरे मन-मस्तिष्क और आंखों को सुकून देता था।

समय बीतता गया। इस पहले प्यार के रहते सालों बाद मेरा विवाह, घर आंगन में नवजात का आगमन, नौकरी, घर- परिवार की जिम्मेदारियां सब सुचारू रूप से सानंद चल रहा था। कभी उसको लेकर परिवार में झिक-झिक होतीं थीं, पर फिर सब सामान्य हो जाता था। इसी बीच भूचाल की तरह मेरे जीवन में एक और आकर्षक व्यक्तित्व का आगमन हो गया । पहले प्यार से तो अभी निजात मिली ही नहीं थी कि दूसरे के आगमन से परेशानियां और बढ़ गई । जैसा कि सर्व विदित है *जब बाहरी आक्रमण होता है तो क्षेत्रियता सिकुड़ जाती है।* मेरा पहला प्यार सहमा सा मुझे ताकता रहता था। हालांकि वह भी अपने व्यक्तित्व का धनी था,अपने आप को कभी उपेक्षित नहीं समझता था । कभी उससे आमना-सामना हो भी जाता तो मैं निगाहें चुरा लेती थी । मैं अपनी जिम्मेदारियों के साथ आकर्षक आगंतुक में रच बस गई थी । मैं उसके साथ ऐसी रमी कि परिजनों के आंख की किरकिरी तो हो ही गई ,साथ ही मेरी गृहस्थी भी बाधित होने लगी थी । घर का माहौल जितना खराब होता , मैं उतनी ही ढीठ होती जाती। मैं वक्त -बेवक्त उसके प्रभा- मंडल में आकण्ठ डूबी रहती थी। पति ,बच्चे बेसब्री से मुझे ताकते रहते कि कब उसके चंगुल से छूटूं और स्वाति नक्षत्र में पड़ने वाली बूंद की तरह उनसे दो मीठे बोल बोलूं।

मैं उसके इतने करीब रहती फिर भी अहसास होता कि कहीं कुछ छूट रहा है ,उससे विलग होते ही अतृप्ति का एहसास होता था।इस अतृप्ति की मनोदशा में अचानक पहले प्यार की झुनझुनी सी दिलों दिमाग पर छा गई। उसकी सौंधी खुशबू , उसका स्पर्श और उससे मिलने वाली तृप्ति मेरे दिमाग में कौंधी। मैं लपक कर उसके पास गई, तो कांच की अलमारी से कबीर, बिहारी, रसखान , घनानंद और भी सारे लेखक वृंद मुस्कुरा रहे थे तो दूसरी ओर सामाजिक पत्र- पत्रिकाएं संतोष की सांस ले रही थी। मुझे ऐसा लगा जैसे कह रही हैं- 'हमारी मिट्टी झाड़ने वाला कोई आ गया, हमारा कद्रदान आ गया। ' मैं भी साहित्य के सागर में हिलोरें लेने लगी। जीवंत साहित्य के धनी लेखकों ने मुझे देखा और मैंने उन्हें। एक - दूसरे को पा कर हम कृतकृत्य थे। मैं अपने पहले प्यार की ओर लौट आई थी । मैं अब आपको बता ही दूं मेरा पहला प्यार पुस्तकें थी और दूसरा प्यार टाइम पास मोबाइल था, जो अब मेरे लिए मात्र उपकरण है । जो समय-समय पर सामाजिक पारिवारिक जानकारी हेतु काम आता है।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

प्रत्यूष मासिक का अक्टूबर–25 अंक मिला। इस बार आपने पर्यावरण की अनदेखी के दुष्परिणामों को शिद्दत से बताया। मोहम्मद फारूख आजम का आलेख पहाड़ों और परम्परागत नदियों के साथ उत्तराखण्ड में की गई छेड़छाड़ के नतीजों से समय रहते सावधान हो जाने का संदेश देता है। मनुष्य इस कदर लालची हो गया है कि वह प्रकृति से लड़ने की जुर्रत भी कर रहा है, जो अन्ततोगत्वा मानव के लिए ही विनाशकारी साबित हो रही है। केंद्र व राज्य सरकारों को इस संबंध में स्पष्ट नीति का निर्धारण करते हुए उस पर सख्ती से अमल करना चाहिए।

मंगलाराम देवासी,
डायरेक्टर
जीवन रतन मॉडर्न स्कूल

'पंचायतों की मजबूती के पक्षधर थे– बापू' श्यामलाल चतुर्वेदी का यह आलेख महात्मा गांधी जयंती पर प्रत्यूष के अक्टूबर–25 अंक में पाठकों के लिए ही नहीं सरकार के लिए भी महत्वपूर्ण है। आज इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि क्या पंचायतराज संस्थाएं ग्राम्य विकास में वैसा ही योगदान दे रही हैं, जैसा बापू चाहते थे? क्या ये संस्थाएं राजनैतिक औजार मात्र तो नहीं बन गई हैं? अनियमित और नियम विरूद्ध कार्यों से क्या ये संस्थाएं ग्राम वासियों की सद्भावना को खो तो नहीं रही हैं? भारत कृषि प्रधान देश है, गांव इसकी आत्मा है। ग्राम्य संस्कृति को बचाना भी इन संस्थाओं का काम होना चाहिए। क्या ऐसा हो पा रहा है?

सौरभ अग्निहोत्री, डायरेक्टर
फिनीश सोसायटी

अक्टूबर–25 के 'प्रत्यूष' अंक में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के क्रम में पंकज कुमार शर्मा का आलेख 'सादगी व सच्चाई की प्रतिमूर्ति थे– शास्त्री जी' अच्छा लगा। मौजूदा राजनेताओं को इनके जीवन आदर्शों से सबक लेना चाहिए। शास्त्री जी ने बचपन से लेकर अंतिम समय तक सच्चाई और सादगी के पथ को नहीं छोड़ा। वे आजादी के आंदोलन के ऐसे सिपाही रहे, जो पढ़ाई और नौकरी के साथ अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर भी उन्होंने विचलित होकर देश के प्रति अपना कर्तव्य नहीं छोड़ा। क्या उनकी छवि हम मौजूदा राजनेताओं में देख पा रहे हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है, जिसका उत्तर आसान तो नहीं हो सकता।

रिषभ भाणावत, सीएमडी, आर्ची ग्रुप

अक्टूबर–25 का 'प्रत्यूष' अंक ज्ञान वर्धक और संदेशवाहक आलेखों से युक्त था। समाज की धरोहर हैं, हमारे बुजुर्ग, विजया दशमी: शक्ति से मुक्ति की यात्रा, समुद्र में भारत की बढ़ी ताकत, सच्चाई और सादगी की प्रतिमूर्ति: लाल बहादुर शास्त्री, सकल जगतारिणी– छठ मैया, चंद्रमा से अमृत वर्षा आदि आलेख काफी अच्छे थे। फोटो प्रिंटिंग में सुधार की आवश्यकता है, कविता–कहानी इसमें कभी–कभार देखने को मिलते हैं। नियमित रख सकें तो अच्छा होगा। दीपावली पर रंगीन पृष्ठ पर प्रकाशित दोनों आलेख भी ज्ञानवर्धक थे। ज्योतिष और वास्तु संबंधी जानकारी भी रखें।

रवि मूंदड़ा, डायरेक्टर,
मूंदड़ा डवलपर्स

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

Anoop Srivastava
Director, 94141 68643

PRINCE ENTERPRISES

Ajay Srivastava
Director, 98290 42643

COPIER, DESKTOP, LAPTOP, PRINTER, LCD PROJECTOR

Authorised Channel Partner (Sales & Service)

Canon DELL hp acer BenQ

Ph.: 0294-2415643, 2425898
Gmail: princeudr1@gmail.com/info@prinenterprisesudaipur.com
Red Tower, 32- Gurudwara Road, DelhiGate, Udaipur 313 001 (Raj.)

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह औसत परिणामों से युक्त है, व्यापार–व्यवसाय में जो चल रहा है उसी में संतोष करें, नयी योजनाओं को टालें। नौकरी पेशा जातक अपने सहकर्मियों से विवाद से बचें। आर्थिक पक्ष में प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, उदर संबंधी बिमारी उभर सकती है।

वृषभ

यह माह मिश्रित परिणाम कारक रहेगा। कार्य क्षेत्र में कुछ कठिनाइयों के साथ सफलता मिलेगी। व्यापार–व्यवसाय में जोखिम न लें, नौकरी पेशा जातक संभल कर काम करें, आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, स्वास्थ्य पक्ष यथावत रहेगा, गृहस्थी में थोड़ी अशांति रहेगी।

मिथुन

यह माह काफी हद तक अनुकूल परिणाम देगा। व्यापार–व्यवसाय में लाभ होगा। नौकरी पेशा जातक संतुष्टि का अनुभव करेंगे, कोई नयी योजना बना सकते हैं, आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। पुरुषार्थ के अनुकूल प्रतिफल मिलेगा। हृदय, फेफड़ों एवं सीने में समस्या उभर सकती है।

कर्क

इस माह में सावधानी पूर्वक निर्वहन की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में जैसा है वैसा ही रखें, नौकरी पेशा जातक बदलाव कर सकते हैं। माह का उत्तरार्द्ध आर्थिक दृष्टि से अच्छे परिणाम देगा। पुराने रोगों से ग्रसित जातक सावधान रहें, परिवार में भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी।

सिंह

माह का पूर्वार्द्ध अच्छा परिणाम देगा, व्यापार एवं व्यवसाय में यात्रा योग बनेंगे एवं सफलता भी मिलेगी। आर्थिक मामलों में औसत परिणाम मिलेंगे। बचत से ज्यादा खर्च संभव है, गृहक्षेत्र से दूर रहने वाले जातक अच्छा लाभ अर्जन करेंगे, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, कमजोरी, आलस बना रहेगा।

कन्या

यह माह सकारात्मक परिणाम देने वाला होगा। योजना बद्ध ढ़ंग से काम करें तो अच्छा होगा। महत्वपूर्ण निर्णय माह के उत्तरार्द्ध में लेना श्रेयकर रहेगा, नौकरी में किया गया बदलाव लाभप्रद सिद्ध होगा, आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा, माह के दूसरे पखवाड़े में आप बेहतर स्वास्थ्य से संतुष्ट रहेंगे।

तुला

छोटी–मोटी विसंगतियों को छोड़ दें तो यह माह काफी हद तक संतोषजनक रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी, कोई नया प्रयोग श्रेष्ठीजन की परामर्श से ही करें, नौकरी पेशा जातकों को भी अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे, आर्थिक पक्ष ठीक–ठीक रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा एवं परिवार में शांति बनी रहेगी।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 नवंबर	कार्तिक शुक्ल दशमी	देव उठनी एकादशी स्मार्त
2 नवंबर	कार्तिक शुक्ल एकादशी	देवउठनी एकादशी/द्वादशी (वैष्णव) तुलसी विवाह
5 नवंबर	कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी	गुरूनानक जयंती/चातुर्मास पूर्ण
12 नवंबर	मार्गशीर्ष कृष्णा अष्टमी	काल भैरवाष्टमी
14 नवंबर	मार्गशीर्ष कृष्ण दशमी	पं. जवाहर लाल नेहरू जयंती / बाल दिवस/विश्व मधुमेह दिवस
15 नवंबर	मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी	बिरसमुंडा जयंती
19 नवंबर	मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी	श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती
25 नवंबर	मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी	श्री राम जानकी विवाह
27 नवंबर	मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी	नरसी मेहता जयंती

वृश्चिक

यह माह औसत परिणामों से युक्त रहेगा, कार्य क्षेत्र में थोड़ा संघर्ष रहेगा। गृहक्षेत्र से दूर रह कर कार्य करने वाले जातक संतुष्टता अनुभव करेंगे। नौकरी में बदलाव की स्थिति बन सकती है, आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा, उच्च रक्तचाप वाले जातक नियमित जांच कराते रहें।

धनु

यह माह आपको औसत से कमजोर परिणाम देने वाला रहेगा, कार्यक्षेत्र में व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी, दूर की यात्रा के योग भी बनेंगे, परंतु लाभ की कमी रहेगी, कार्यों में रुकावट आ सकती है, आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा, सार्थक कार्यों में खर्च बढेंगे, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, भाई–बंधु असंतुष्ट रहेंगे।

मकर

यह माह तुलनात्मक रूप से अच्छे परिणाम देगा। सहकर्मियों से सावधान रहें, व्यापार–व्यवसाय में अनुकूलता रहेगी, नौकरी पेशा जातक सावधान रहें, रिस्क नहीं लें। आर्थिक पक्ष भी अनुकूल रहेगा, स्वास्थ्य में बेहतर परिणाम मिलेंगे, फेफड़े संबंधी समस्या से परेशानी संभव।

कुम्भ

इस माह का उत्तरार्द्ध श्रेष्ठ परिणाम देने वाला है, किसी सम्मान से भी नवाजे जा सकते हैं। वरिष्ठ जनों से लाभ मिलेगा, व्यापार–व्यवसाय बढ़ाने में सफल रहेंगे, आमदनी अच्छी रहेगी, बचत भी होगी, स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, खासकर फेफड़ों, सीने में परेशानी रहेगी।

मीन

माह का उत्तरार्द्ध कार्य क्षेत्र में बेहतर परिणाम देने वाला होगा। व्यापार–व्यवसाय में नए सिरे से कोई प्रयोग शायद आप कर पायें लेकिन पुराने कार्यों में अच्छी प्रगति होगी।आर्थिक पक्ष औसत से बेहतर परिणाम दे सकता है, स्वास्थ्य पक्ष उत्तम रहेगा।

Happy Diwali

Ambalal Sahu
Director,
09413663899

Manish
Director,
09413318489

Lavish Sahu
Director,
7073018489

SALE & PURCHASE

• Plots • Baunglow • Ag. Land
• Flat • Cont. Land • Shop
• Farm House • Office

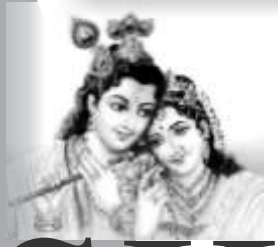

SKR Properties

G-27, Anand Plaza, Near Ayad Puliya,
Udai pur - 313 001 (Raj.)

प्रत्यूष समाचार

पिम्स सिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) उमरड़ा के सिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ लीलादेवी अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि मरीजों की सेवा बड़ा अवसर है, इसके लिए हमें हर समय तैयार रहना चाहिए। समारोह में पिम्स के चेयरमैन आशीष अग्रवाल, चेयरपर्सन शीतल अग्रवाल और मैनेजिंग डायरेक्टर नमन अग्रवाल भी मौजूद थे। यह अस्पताल भुवाणा के मीरानगर में है। जहां सीटी स्कैन, एक्सरे, खून की जांच के साथ ही फॉर्मेसी सेवाएं भी शुरू की गई है। आशीष अग्रवाल ने कहा कि ये 100 बेड का अस्पताल है। अस्पताल में 30 बेड आइसीयू के हैं, जो सभी आधुनिक उपकरणों से लैस है। पिम्स सिटी हॉस्पिटल में जनरल फिजिशियन, टीबी,

चेस्ट, श्वास रोग, मनोरोग, नेत्र प्रसूति एवं स्त्री रोग, दंत चिकित्सा, पेन मैनेजमेंट क्लिनिक, हड्डी एवं जोड़ रोग, नाक-कान-गला, त्वचा एवं चर्म रोग और बाल चिकित्सा की स्पेशलिटी सुविधाएं मिलेंगी। सिटी हॉस्पिटल पर 24 घंटे ट्रोमा इमरजेंसी भी काम करेगी।

ये डॉक्टर्स दे रहे सेवाएं: कार्डियोलोजिस्ट डॉ. महेश जैन, न्यूरोसर्जन डॉ. अंकित पटेरिया, यूरोजॉलिस्ट डॉ. मनीष भट्ट, किडनी रोग विशेष डॉ. रविन्द्र पल्लपोट्टू, प्लास्टिक सर्जन डॉ. एमपी अग्रवाल, गेस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. साहिल परमार, आन्कोलॉजिस्ट डॉ. सचिन जैन, मनोचिकित्सक डॉ. प्रवीण खेरकर, दर्द चिकित्सक डॉ. अनिल भीवाल, फिजिशयन डॉ. जेके छापरवाल, सर्जन डॉ. पीपी शर्मा, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. बीएल कुमार, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. जय सेश, बाल रोग विशेष डॉ. राहुल खत्री, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. विक्रम राठौड़ और टीबी चेस्ट विशेषज्ञ डॉ. सान्निध्य टांक यहां सेवाएं दे रहे है।

स्वास्थ्य को लेकर किया जागरूक

उदयपुर। मेवाड़ बीएससी नर्सिंग कॉलेज की ओर से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सेक्टर 14 में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्र की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. रानी अहारी ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न स्वास्थ्य स्टॉल लगाई। विद्यार्थियों ने पोस्टर, चार्ट, फ्लैश कार्ड और मॉडल के माध्यम से आकर्षक तरीके से जागरुकता गतिविधियां प्रस्तुत की। आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और रोगों से बचाव के लिए व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए गए। कार्यक्रम में डॉ. शीतल मीणा, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप गर्ग, निलेश खराड़ी, विपुल जैन आदि मौजूद थे।

डॉ. लुहाड़िया उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी विशेषज्ञ तथा इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अतुल लुहाड़िया को रेस्पिरेटरी मेडिसीन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं शोध कार्य के लिए डॉ. विवेक अथैया मेमोरियल राजस्थान स्टेट इंडियन चेस्ट सोसायटी एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के आतिथ्य में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि इस सम्मान के लिए पूरे राजस्थान से मात्र एक ही चेस्ट विशेषज्ञ का चयन किया जाता है, जो इस अवार्ड की विशिष्टता को और भी बढ़ाता है।

मनोज अध्यक्ष और सुरेश सचिव बने

उदयपुर। व्यापार मंडल सेकटर 5-6 के द्विवार्षिक चुनाव में निर्विरोध आठवीं बार अध्यक्ष पद पर मनोज जैन मनोनीत किए गए। वहीं सचिव सुरेश सिसोदिया और कोषाध्यक्ष उमेश मेनारिया को मनोनीत किया गया। गत वर्ष के कार्यों की जानकारी दी गई तथा पूर्व पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जयेश मेघनानी, रोहित पटेल, विजेश चौधरी, ऋषभ कोडिया, आशीष तम्बोली, दिलीप मंडोवरा, शंकर मेनारिया, राहुल जैन, दिवांश जैन सहित क्षेत्र के कई व्यापारीगण मौजूद थे।

मेवाड़ा निकाय प्रकोष्ठ के राजसमंद जिलाध्यक्ष

आमेट। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिहं डोटासरा के अनुमोदन पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के राजसमंद जिला अध्यक्ष पद पर आमेट नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मेवाड़ा को मनोनीत किया गया। मेवाड़ा के निकाय प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोनीत होने पर आमेट ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्रसिंह चुंडावत, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश पारीक, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रतनलाल तेली, पूर्व नगर अध्यक्ष शब्बीर बोहरा, अरविंद गेलड़ा, एआईसीसी लोकसभा सह प्रभारी रोशनलाल तेली, ओबीसी नगर प्रकोष्ठ अध्यक्ष शांतिलाल सोनी आदि कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रदेश महिला कांग्रेस में मेवाड़ का प्रतिनिधित्व बढ़ा

उदयपुर। प्रदेश महिला कांग्रेस की नई टीम में इस बार मेवाड़ को खासा महत्व दिया गया है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह ने अपनी नई टीम में उदयपुर से आदिवासी नेता दिव्यानी कटारा और पूर्व पार्षद हितांशी शर्मा, चित्तौड़गढ़ से लता शर्मा, राजसमंद से राजकुमारी पालीवाल को महासचिव नियुक्त किया है। चित्तौड़गढ़ की अदिती और सफीना खान तथा प्रतापगढ़ की अक्षय अहीर दीवान को सचिव बनाया है। उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष पद पर तारिका भानुप्रताप सिंह और उदयपुर ग्रामीण अध्यक्ष पद पर भगवती डांगी को नियुक्त किया गया है।

हितांशी शर्मा

दिव्यानी कटारा

भगवती डांगी

तारिका सिंह

एल सोल्जर्स के निशानेबाजों ने जीता गोल्ड

उदयपुर। 69वीं जिला स्तरीय विद्यालयी शूटिंग प्रतियोगिता में एल सोल्जर्स शूटिंग रेंज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। कोच अंजलि मालवी और प्रशासक देवश्रेष्ठ मालवी ने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन अभ्यास और समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की। 14 वर्षीय वर्ग में गौरीश पंवार व 17 वर्षीय छात्रा वर्ग में छवि सारंगदेवोत ने स्वर्ण और छवि पालीवाल ने रजत पदक जीता। 19 वर्षीय छात्र वर्ग में रोहित कहार ने स्वर्ण और विनोद सिंह देवड़ा ने रजत पदक जीता, जबकि छात्रा वर्ग में उर्मिला सारंगदेवोत ने स्वर्ण व भूमिका कुनवा ने कांस्य पदक हासिल किया। प्राचार्य ने सभी बच्चों को आशीर्वाद व भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

जीवन रतन मॉडर्न स्कूल में इंवेस्टीचर सैरेमनी

उदयपुर। कृति सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा संचालित जीवन रतन मॉडर्न स्कूल एकलिंगपुरा में नव नामांकित छात्र परिषद की इन्वेस्टीचर सैरेमनी हुई, जिसमें रेड, ब्लू, येलो व ऑरेंज हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि स्कूल के चेयरमैन मंगलाराम देवासी व स्कूल निदेशक बीआर देवासी ने छात्र परिषद के सदस्यों को शपथ दिलाकर बैज और शेश पहनाकर पदभार सौंपा। स्कूल प्रिंसिपल प्रियंका शर्मा ने मुख्य अतिथि का आभार जताया। छात्रों ने विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।

डॉ. संजीव ऑब्जर्वर नियुक्त

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। प्रदेश सोशल मीडिया कोर्डिनेटर डॉ. संजीव राजपुरोहित को डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा जिले की जिम्मेदारी सौंपी हैं।

श्रीमाली का स्वागत

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की ओर से बैंकॉक में आयोजित श्रम एशिया पेसिफिक क्षेत्रीय श्रम सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे राजस्थान प्रदेश इंटक के प्रदेशाध्यक्ष जगदीशराज श्रीमाली का आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इंटक के प्रदेश प्रवक्ता इंदुशेखर व्यास ने बताया कि विभिन्न उद्योगों के श्रम संगठनों ने श्रीमाली का राणाप्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर स्वगात कर दुपहिया वाहन रैली से कार्यक्रम स्थल पर लाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश इंटक कोषाध्यक्ष ख्यालील मालवीय ने की। इस अवसर पर प्रदेश इंटक उपाध्यक्ष सेमसन भगोरा, उपाध्यक्ष हरीश शर्मा, इंद्रसिंह देवड़ा, मांगीलाल प्रजापत, आरएसएमएमएल पेंशनर्स सोसायटी के अध्यक्ष एलजी जोशी सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिक नेता मौजूद थे।

गृहमंत्री से मिले ऑयल एंड सीड्स मर्चेंट्स

उदयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा लगाए गए कृषि मंडी के यूजर चार्ज के विरोध में उदयपुर ऑयल एंड सीड्स मर्चेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा गृहमंत्री अमित शाह को नई दिल्ली स्थित उनके निवास स्थान पर भेंटकर ज्ञापन प्रेषित किया गया। उन्हें यूजर चार्ज (उपयोक्ता प्रभार) लगने के बाद उत्पन्न होने वाली वास्तविक समस्याओं से अवगत कराया गया एवं इसे निरस्त कराने के लिए निवेदन किया गया। उनके द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री से इस बारे में बात करने का आश्वासन दिया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कोठारी, सचिव अनिलकुमार जैन, उपाध्यक्ष अर्जुन जैन, कोषाध्यक्ष चिराग बंसल एवं वरिष्ठ सदस्य राजेश भाई मेहता समेत पांच लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री से मुलाकात की।

स्वच्छता सर्वेक्षण में निगम सम्मानित

उदयपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में नगर निगम उदयपुर को 3 लाख से 10 लाख जनसंख्या वाले शहर श्रेणी में राज्य में प्रथम एवं भारत में 13वां स्थान प्राप्त करने पर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना को जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं नगर विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान निगम के अधिशाषी अभियंता एवं स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी लखनलाल बैरवा भी मौजूद रहे।

गुजरात के कैबिनेट मंत्री का स्वागत

उदयपुर। गुजराती समाज की ओर से गत दिनों उदयपुर आए गुजरात के मंत्री मूलुभाई बेरा का गुजराती समाज की ओर से स्वागत किया गया। उन्होंने गुजराती समाज स्थापना पर प्रसन्नता जताई। स्वागत करने वालों में गुजराती समाज के अध्यक्ष राजेश बी मेहता, सचिव दिनेश भाई पटेल, उपाध्यक्ष नितिन भाई पटेल, ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन नयनभाई गांधी, ट्रस्ट बोर्ड के उपाध्यक्ष नानजी भाई पटेल, ट्रस्टी रमेश भाई पटेल, कोषाध्यक्ष जयेश भाई जोशी सहित कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

राजराजेश्वर बने अध्यक्ष

उदयपुर। उदयपुर में रत्न व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों की पिछले दिनों हुई बैठक में उदयपुर रत्न व्यवसाय संघ का गठन किया गया। सर्वसम्मति से संस्थापक अध्यक्ष के रूप में राजराजेश्वर जैन को चुना गया। कार्यकारिणी में महामंत्री यतीश सोनी, उपाध्यक्ष मनीष धर्मावत, कोषाध्यक्ष अरविंद सोनी, संगठन मंत्री प्रशांत सोनी, कार्यकारिणी सदस्य राजेश सोनी, मो. शरीफ को मनोनीत किया गया।

यास्मीन प्रदेश सचिव

उदयपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पारीक ने उदयपुर की यास्मीन खान को प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है।

बक्शी को एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर। इंसपायरिंग लीडर्स अवॉर्ड श्रेणी में सीडलिंप ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन हरदीप बक्शी को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह एक सम्मान नहीं, बल्कि उस अटूट संकल्प की पुन: पुष्टि है जिसके तहत हम नवांकुरित मस्तिष्कों को संवारते हैं, भविष्य के नेताओं को गढ़ते हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए मानदंड स्थापित करते हैं। शिक्षा में उत्कृष्टता संयोग से नहीं बल्कि समर्पण, नवाचार और प्रेरणा से प्राप्त होती है।

माधवानी को जर्नी ऑफ एक्सीलेंस अवॉर्ड

उदयपुर। मेवाड़ जनशक्ति की ओर से जर्नी ऑफ एक्सीलेंस वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इसमें बीसीआइ एवं सुरों की मंडली के संस्थापक मुकेश माधवानी को जर्नी ऑफ एक्सीलेंस सम्मान दिया गया। इस अवसर पर डॉ. श्याम सुंदर पालीवाल, कश्ती फाउंडेशन संस्थापक श्रद्धा मुरडिया, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयक केके गुप्ता, धीरेंद्र सच्चान, कर्तव्य शुक्ला आदि मौजूद थे।

मायरा ज्वेलर्स शोरुम का शुभारंभ

उदयपुर। शहर के पंचवटी क्षेत्र में मायरा ज्वेलर्स का शुभारंभ हुआ। यह नया ब्रांड शहर के ज्वेलर्स रावतमल सिरोहिया द्वारा लॉंच किया गया है। यहां न केवल ज्वेलरी के ढेर सारे कलेक्शन उपलब्ध हैं, बल्कि आकर्षक ऑफर्स भी दिए जा रहे हैं। गोल्ड ज्वेलरी पर 45 प्रतिशत और डायमंड ज्वेलरी पर 35 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

मीणा आदिवासी कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नवीन कुमार मीणा को ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस का उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने की है।

साहित्य-राष्ट्र निर्माण चिंतन काव्य गोष्ठी

उदयपुर। सांस्कृतिक सृजन पखवाड़ा के तहत राजस्थान साहित्य अकादमी की ओर से साहित्य और राष्ट्र निर्माण चिंतन पर कवि गोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि चिंतक प्रो. श्रीनिवासन अय्यर ने की। मुख्य अतिथि डॉ. विद्या पालीवाल ने कहा कि राष्ट्र के जीवन को उन्नति और अवनति, आशाएं, आकांक्षाएं साहित्य में चित्रित मिलती है। समष्टि रूप से साहित्य समाज का दर्पण है। रामदयाल मेहरा ने स्वागत उद्बोधन में राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित साहित्य सृजन पखवाड़े की रूप रेखा प्रस्तुत की। गोष्ठी में डॉ. ज्योतिपुंज, श्रेणीदान चारण, मनमोहन मधुकर, अशोक जैन मंथन, वीणा गौड़, बिलाल पठान, खुर्शीद शेख, इकबाल हुसैन ने काव्य पाठ किया।

अधिस्वीकृत पत्रकारों ने भेजा ज्ञापन

उदयपुर। अधिस्वीकृत पत्रकार संघ द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ,मुख्य सचिव सुधांशु पंत एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त संदेश नायक को ज्ञापन प्रेषित कर अधि. पत्रकारों की समस्याओं से सम्बंधित 7 सूत्री ज्ञापन प्रेषित किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा से संबंधित विभाग की समस्याओं को लेकर भी उन्हें ज्ञापन भेजकर समाधान की मांग की गई। संघ के संयोजक ललित चोरडिया ने बताया कि ज्ञापन में आधि. पत्रकारों को निकाय द्वारा प्रस्तावित समस्त भूखंड नीलामी योजना में दो प्रतिशत आरक्षण के साथ 50 प्रतिशत रियायती दर पर भूखंड आवंटन प्रावधान, सम्मान निधि के पेंडिंग प्रस्ताव की स्वीकृति, राजस्थान पत्रकार बीमा योजना से संबंधित ओपीडी सेवा प्रारंभ करने, यदि बीमा योजना में कवरेज नहीं होते हैं तो इस वित्तीय वर्ष मेडिकल डायरी से ओपीडी सेवा नियमित रखने राजस्थान के विभिन्न जिलों से आने वाले पत्रकारों को निदेशालय में आने के लिए दोपहर 2 बजे तक का इंतजार करना पड़ता है। अतएवं सभी को स्थाई सचिवालय पास देने मेवाड़ - मारवाड़ के अधि.पत्रकारो के लिए अहमदाबाद तक रोडवेज बस सुविधा पत्रकारों के लिए राजस्थान में उपलब्ध सर्किट हाउस में ठहरने की व्यवस्था में विस्तार और उदयपुर से जयपुर वाया राजसमंद - ब्यावर संचालित वोल्वो बसें पुन: संचालित करने की मांग की गई है।

अलख नयन मंदिरः विश्व दृष्टि दिवस पर विविध अयोजन

उदयपुर। अलख नयन मंदिर आई इंस्टीट्यूट में 8-9 अक्टूबर को विश्व दृष्टि दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रथम दिन उड़ान नाइट ऑफ होप एंड विजन का आयोजन किया गया। इसमें संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, सेवानिवृत्त आइएएस राजेंद्र भट्ट, एनपीसीबी, प्रिंसिपल कंसल्टेंट डॉ. प्रोमिला गुप्ता, कम्युनिटी ऑप्थेल्मोलॉजी विभागाध्यक्ष, डॉ. प्रवीण वशिष्ठ, विजन 2020 अध्यक्ष डॉ. राजेश सैनी और कुलदीप सिंह, सुबीश कुय्यदिल, संजय सिंघल मौजूद थे। अतिथियों ने सामूहिक रूप से समाज में दृष्टिहीनता की रोकथाम और नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अलख नयन मंदिर आई इंस्टीट्यूट की ओर से ट्रस्टी बाल कुंवर, डॉ. एलएस झाला, डॉ. लक्ष्मी झाला और मीनाक्षी चूंडावत मौजूद रहीं। दृष्टि स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 'विजन चैंपियंस' को सम्मानित किया। अलख नयन मंदिर की ओर से

सद्गुरू नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के निदेशक एवं ट्रस्टी पद्मश्री डॉ. बुधेंद्र कुमार जैन को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। समारोह में समुदाय की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थान के विजन चैंपियंस को सम्मानित किया गया। दूसरे दिन प्रातः फतहसागर की पाल पर 'वॉक फॉर विजन' का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन में नेत्र स्वास्थ्य और दृष्टि की देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसमें बतौर अतिथि डॉ. प्रोमिला प्रिंसिपल कंसल्टेंट, एनपीसीबी और वीआई, डॉ. प्रवीण वशिष्ठ प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कम्युनिटी ऑप्थेल्मोलॉजी, आरपी सेंटर, नई दिल्ली, डॉ. राजेश सैनी अध्यक्ष, विजन 2020, कुलदीप सिंह एशिया रीजनल डायरेक्टर, सेवा फाउंडेशन और सुबीश कुय्यादिल प्रमुख, सेंटर फॉर कम्युनिटी ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री सद्गुरू सेवा ट्रस्ट ने भाग लिया।

जांगिड़ महासभा का शपथ ग्रहण संपन्न

उदयपुर। जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की जिला शाखा का शपथ ग्रहण समारोह अमल का कांटा स्थित चारभुजा मंदिर परिसर में हुआ। प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने पुरुष व महिला पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में महासभा के जिला अध्यक्ष नारायण लाल शर्मा, सचिव विपिन शर्मा, कोषाध्यक्ष दयाशंकर शर्मा के अलावा सह सचिव, उपाध्यक्ष, संगठन मंत्री, मीडिया मंत्री आदि शामिल थे। इसी तरह महिला शाखा की जिलाध्यक्ष माधवी शर्मा, महामंत्री मीनू शर्मा, कोषाध्यक्ष जूली शर्मा व अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ली। युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड़ ने प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा को शपथ दिलाई। प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड़, संरक्षक कर्नल सोहनलाल जांगिड़, जगदीश सुथार आदि मौजूद थे।

लिबर्टी मार्केटिंग की 16वीं वर्षगांठ

उदयपुर। प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज शोरूम लिबर्टी मार्केटिंग ने 16वीं वर्षगांठ मनाई। शोभागपुरा 100 फीट रोड स्थित लिबर्टी मार्केटिंग अपनी इस ब्रांडशोप से वर्ष 2009 से पैनासोनिक के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उदयपुरवासियों तक पहुंचा रहा है। लिबर्टी मार्केटिंग के संस्थापक गिरिश मनवानी ने कहा कि पिछले 16 वर्षों की इस यात्रा में लिबर्टी मार्केटिंग ने अपने ग्राहकों का विश्वास और स्नेह हासिल किया है। आधुनिकतम तकनीक,, किफायती दाम, बेहतरीन सेल्स सर्विस और ग्राहकों की जरूरतों को समझना ही इसकी पहचान है।

90 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

उदयपुर। टाइम बैंक ऑफ इंडिया एवं तारा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठजन सम्मान समारोह हुआ। तारा संस्थान की संस्थापक कल्पना गोयल ने स्वागत उद्बोधन दिया। टाइम बैंक ऑफ इंडिया से एमके माथुर, एके गुप्ता एवं केके शर्मा ने बैंक की कार्यप्रणाली एवं उसके महत्व की जानकारी दी। समारोह में 90 वरिष्ठ नागरिकों को पगड़ी, उपरणा एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान को व्हीलचेयर भेंट की तथा टाइम बैंक सदस्यों के सहयोग से बेडशीट एवं नी कैप उपलब्ध कराने की घोषणा की। संचालन कल्पना गोयल, अलका जैन, आरती चित्तौड़ा, मीनाक्षी सोनी और सतीश कलाल ने संयुक्त रूप से किया।

डॉ. डाड को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। चिकित्सा और फॅरिसिक मेडिसिन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गीतांजली हॉस्पिटल के पेरामेडिकल प्रिंसिपल डॉ. जीएल डाड को राजस्थान एकेडमी ऑफ फॅरिंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी (आरएएफएमटी) की ओर से प्रतिष्ठित लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया। यह सम्मान उन्हें व्यास मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जोधपुर में आयोजित समारोह में दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर के वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षाविद एवं विशेषज्ञ मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, आयोजन सचिव डॉ. दीपाली पाठक और अध्यक्ष डॉ. पी.सी.व्यास ने संयुक्त रूप से सम्मान प्रदान किया

नेभनानी सिंधी पंचायत के महासचिव

उदयपुर। झूलेलाल सिंधी सेंट्रल पंचायत की बैठक रविवार को शक्ति नगर स्थित झूलेलाल भवन में हुई। इसमें सिंधी समाज की समस्त मुख्य पंचायतों और मोहल्ला पंचायतों की बैठक में सेंट्रल पंचायत की नियमावली, विधान और उसमें होने वाले पद एवं समितियां जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। नव नियुक्त अध्यक्ष प्रताप राय चुग ने कहा कि महासचिव पद के लिए उचित उम्मीदवार तय किया जाए ताकि आने वाले समय में इसका विस्तार कर सुचारू रूप से संचालन हो सके। शिकारपुर पंचायत अध्यक्ष सुखराम बालचंदानी ने महासचिव पद के लिए कैलाश नेभनानी के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों मुरली राजानी, हरीश राजानी, किशन राजाना, वाधवानी, ओम प्रकाश आहूजा, आहूजा, उमेश मनवानी, उमेश नारा, गिरीश राजानी ने इसका समर्थन किया। ऐसे में महासचिव पद पर पूज्य सिंधी साहिती पंचायत के कैलाश तीरथदास नेभनानी को सर्वसम्मति से निर्विरोध नियुक्त किया गया।

शुटिंग में उदयपुर के शूटर्स ने जीते 5 पदक

उदयपुर। महाराणा प्रताप खेल गांव में राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में उदयपुर के शूटर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उदयपुर ने 2 स्वर्ण और 3 कांस्य पदक जीते। एल सोल्जर सीनियर सेकंडरी डबोक की मेजबानी में प्रतियोगिता में प्रदेश भर से 1050 शूटर्स ने भाग लिया। आयोजन सचिव सुरेंद्र मालवी ने बताया कि बीकानेर निदेशालय के निर्देशन में प्रतियोगिता में उदयपुर अग्रणी रहा। शूटर्स छवि सारंगदेवोत व खुशाली कंवर ने स्वर्ण पदक जीते। छवि पालीवाल, इष्टी सिंह देवड़ा, उर्मिला सारंगदेवोत ने कांस्य पदक प्राप्त कर उदयपुर का सम्मान बढ़ाया । पुरस्कार वितरण समारोह एल सोल्जर्स रूकूल में हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी चंद्रगुप्त सिंह चौहान थे। मावली प्रधान नरेंद्र सिंह चंडालिया, प्रदीप रवानी, सुनील पालीवाल भी बतौर अतिथि उपस्थित रहे।

डॉ. दीपा नेशनल आइकॉन ऑफ क्लिनिकल कॉस्मेटोलौजी से सम्मानित

उदयपुर। डबल वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. दीपासिंह को नेशनल आइकॉन ऑफ क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह को यह सम्मान अभिनेत्री उर्मिला मातोड़कर ने प्रदान किया। डॉ. सिंह को इससे पहले महाराष्ट्र और तेलंगाना के राज्यपालों ने लेजर क्वीन तथा लेजर आइकॉन की उपाधियों से नवाजा है। मेडिकल एस्थेटिक्स तथा अत्याधुनिक लेजर तकनीक से 15 हजार से अधिक मरीजों के सफल इलाज को संभव बनाया है।

चंदेल कांग्रेस निकाय प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

उदयपुर। प्रदेश कांग्रेस के स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जीवण खां ने उदयपुर शहर में शंकर चंदेल को स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। शंकर चंदेल नगर निगम के पिछले बोर्ड में कांग्रेस पार्षद थे।

डॉ. पटेल अध्यक्ष व ऋषि कटारिया महासचिव

उदयपुर। उदयपुर मार्बल प्रोसेसर्स समिति के 2025-26 कार्यकारिणी के चुनाव में उद्योगपति डॉ. हितेष पटेल अध्यक्ष और ऋषि कटारिया महासचिव निर्विरोध चुने गए। कार्यकारिणी में ओम प्रकाश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रमेश जैन उपाध्यक्ष, विनोद रादेड़ संयुक्त सचिव, आशुतोष सिसोदिया कोषाध्यक्ष, प्रवीण कोठारी, रेवत सिंह राठौड़, विकास पोरवाल, रूपलाल जैन, पवन जैन, विशाल दाधीच को सदस्य मनोनीत किया गया। इस मौके पर समिति की वार्षिक साधारण सभा में निवर्तमान अध्यक्ष कपिल सुराणा ने वर्ष 2024.25 में किए मुख्य कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। निवर्तमान संरक्षक मांगीलाल लूणावत ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. हितेष पटेल का उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया। इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. पटेल ने कहा, उदयपुर मार्बल मंडी को पुन: उसकी प्रतिष्ठित स्थिति दिलाना युवा उद्योगपतियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। समिति के नारायण पटेल, पूर्व अध्यक्ष दिलीप तलेसरा, विजय गोधा, बनाराम चौधरी, शंकर सिंह गुलर, महेंद्र सुराणा, प्रदीप मोदी, हेमंत कोठारी, मुकेश काबरा सहित उदयपुर के प्रमुख मार्बल उद्योगपति मौजूद थे।

आचार्य और विप्लवी को हिंदी सेवा पुरस्कार

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य और स्वतंत्र पत्रकार डॉ. विजय विप्लवी को राज्य सरकार के भाषा विभाग की ओर से हिंदी दिवस पर जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय में राज्यस्तरीय समारोह में पत्रकारिता क्षेत्र का इस साल का हिंदी सेवा पुरस्कार उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने प्रदान किया। पुरस्कार उनकी पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय के लिए संयुक्त लेखन के लिए दिया गया।

अर्थ डायग्नोस्टिक को एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अर्थ डायग्नोस्टिक्स को 'एक्सीलेंस इन डायग्नोस्टिक सर्विसेज अवार्ड' से सम्मानित किया। यह सम्मान अर्थ डायग्नोस्टिक्स द्वारा वर्षों से अपनाई जा रही गुणवत्ता, नवाचार और रोगी-केंद्रित सेवाओं के प्रति समर्पण की सराहना के रूप में दिया गाया। अर्थ डायग्नोस्टिक्स ने अब तक लाखों मरीजों को लाभ पहुंचाया है। अर्थ ग्रुप के सीईओ एवं सीएमडी डॉ. अरविंदर सिंह ने बताया कि यह पुरस्कार अर्थ डायग्नोस्टिक्स के निरंतर प्रयासों का फल है, जिसमें गुणवत्ता, नई तकनीक और मानवीय सेवा एक साथ आगे बढ़ते हैं। राज्य की उपमुख्यमंत्री द्वारा प्राप्त यह सम्मान अर्थ की निष्ठा और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का प्रमाण है।

बिग-बी पर सूक्ष्म पुस्तिका

उदयपुर। शहर के सूक्ष्म पुस्तिका-डायरी निर्माता चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने फिल्म जगत के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के 83वें जन्म दिवस (11 अक्टूबर) पर उनके जीवन व उनके द्वारा फिल्म जगत को दिए गए योगदान पर एक सूक्ष्म पुस्तिका का निर्माण किया। पुस्तिका का आकार डेढ़ इंच गुण उद्बोधन ढाई इंच है और इसमे 16 पृष्ठ हैं। आवरण पर बिग-बी का चित्र है।

संगम विश्वविद्यालयः राष्ट्रीय सुरक्षा पर भू-स्थानिक दृष्टिकोण पर सेमिनार

भीलवाड़ा। संगम विश्वविद्यालय के भू-सूचना विज्ञान विभाग एवं भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार राष्ट्रीय सुरक्षा पर भू-स्थानिक दृष्टिकोण: एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य का शंभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट कर्नल शैलेन्द्र सिंह राठौर, इसरो से डॉ. पाठक उपस्थित रहे। सेमिनार के

संयोजक डॉ. लोकेश त्रिपाठी ने स्वागत भाषण किया और सेमिनार की थीम पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि प्रो. कर्नाटक ने विजन भारत 2047 के संदर्भ में सेमिनार के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो अजीतकुमार कर्नाटक को कृषि नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी नवाचारों और समर्पित सेवा के लिए राष्ट्रीय कृषि-नवाचार रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने कर्नाटक को यह पुरस्कार प्रदान किया।

वर्मा को मेवाड़ लोक रत्न सम्मान

उदयपुर। राष्ट्रीय लोक अधिकार मंच की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद वर्मा को मेवाड़ लोक रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। वर्मा स्वतंत्रता सेनानी मास्टर किशनलाल वर्मा सेवा ट्रस्ट के संस्थापक, श्रीमेवाड़ सगसजी लोकसेवा संस्थान के मुख्य समन्वयक है।

टीवी अभिनेत्री स्मिता बंसल ने बाबूजी जोधपुर शोरूम का किया शुभारंभ

उदयपुर। प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री और धारावाहिक बालिका वधू फेम स्मिता बंसल ने शहर के सूरजपोल क्षेत्र में बाबूजी जोधपुर स्वीट्स के नए शोरूम का उद्घाटन किया। उन्होंने मिठाइयों का स्वाद चखते हुए कहा उदयपुर की मिठास और लोगों का अपनापन हमेशा दिल को छू जाता है। उद्घाटन कार्यक्रम में शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, प्रसिद्ध वरिष्ठ मार्बल व्यवसायी खींवसिंह राजपुरोहित, गजपालसिंह, चंद्रगुप्त चौहान, आकाश वागरेचा भी उपस्थित रहे। अभिनेत्री स्मिता बंसल ने कहा कि उदयपुर की खूबसूरती, स्वच्छता और लोगों की आत्मीयता देशभर में उदाहरण है। मैं जब भी राजस्थान आती हूँ तो यहाँ के स्वाद, संस्कृति और लोगों के प्रेम में खो जाती हूँ। बाबूजी मिठाई का स्वाद भी उतना ही खास है जितना इस शहर का नाम। उन्होंने कहा राजस्थान में उद्योग और परंपमरा का अनोखा संगम है ।बाबूजी मिठाई के संचालक रामसिंह एवं बाबूसिंह ने बताया कि यह उदयपुर में उनका चौथा शोरूम है और उदयपुरवासियों को उच्च गुणवत्ता की पारंपरिक मिठाइयाँ और नई फ्लेवर वाली डेजर्ट रेंज उपलब्ध कराई गई है।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रणवीरसिंह चुण्डावत
डायरेक्टर, Mob.: 7742791508

स्व. किशन सिंह जी चुण्डावत

चुण्डावत रेस्टोरेंट एण्ड
चुण्डावत लस्सी कॉर्नर

पुराना रेल्वे स्टेशन रोड, ठौकर चौराहा, उदयपुर

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री मोहनलाल जी झंवर का स्वर्गवास 23 सितंबर को हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती सीता देवी, भाभी-गीता देवी, पुत्र राकेश व सतीश, पुत्रियां श्रीमती नीलम सोमानी व रेखा जेथिलिया, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती मधुकांता जी पंड्या (धर्मपत्नी श्री द्वारिका प्रसाद जी पण्ड्या) का 23 सितंबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र यशवंत पण्ड्या, पुत्रियां श्रीमती रेणुकांता द्विवेदी, हेमकांता पंड्या, भारती जोशी व उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुमनदेवी जी (धर्मपत्नी स्व. मांगीलाल जी दाधीच) का 20 सितंबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्री-दामाद ज्योतिबाला-दिलीप कुमार, देवर-देवरानियों एवं भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर (डॉ) प्रभाजी वाजपेई का 21 सितंबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्रवधू श्रीमती वंदना-स्व. श्री प्रशांत बाजपेई, पुत्रियां श्रीमती निधि, श्रुति व स्वाति तथा पौत्र-दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती चंचल बाई सोनी (जैन) धर्मपत्नी स्व. श्री रोशनलाल जी का 12 सितंबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र दिलीप व गोपेंद्र जैन, पुत्रियां श्रीमती बसंती देवी, चंद्रकांता देवी, सरोज गदिया पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती ऋतुजी पाण्डेय धर्मपत्नी श्री प्रमोद पाण्डेय का 11 सितंगर को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति, पुत्र तुषार, पुत्री राशि सहित जेठ-जिठानियों, देवर-देवरानियों व उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती प्रेमदेवी कटारिया (खटीक) धर्मपत्नी श्री कन्हैया लाल जी का 9 सितंबर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति, पुत्र कैलाश व गजराज, पुत्री श्रीमती निशा पहाड़िया, देवर-देवरानी, पौत्र, दोहित्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती पुष्पलता जी मेहता (धर्मपत्नी श्री तेजसिंह मेहता) का 3 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति, पुंत्र संजय, सौरभ व संदीप सहित जेड, जेठानी देवरानी तथा पौत्र-पौत्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री ए.एल. नाहर जी का 13 सितंबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी, पुत्र नरेंद्र व राजेंद्र पुत्रियां श्रीमती पुष्पा छाजेड़, सुशीला जैन, मंजू बापना, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री सहित सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सुरेंद्र सिंह जी कपूर का 14 सितंबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र मनोज व मुकेश कपूर, भ्राता महेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह सहित पौत्र एवं भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कंचन देवी जी बोर्दिया का आकस्मिक स्वर्गवास 22 सितंबर को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र संदीप व दीपक, पुत्री श्रीमती नीता नाहर सहित पौत्र-पौत्री, प्रपौत्र, दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री बसन्तीलाल जी दलाल (92) नाई वाले का 29 सितंबर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पत्नी श्रीमती सेणी बाई, पुत्र ध्यानचंद, दिनेश, महेंद्र व पवन, पुत्रियां श्रीमती दिलखुश कोठारी, भाग्यवती जारोली, गुलाब जारोली सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। फोटो जर्नलिस्ट श्री कृष्णा तंवर (42) का 2 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता डाली बाई-अर्जुन लाल जी, पुत्री अनुश्री, पुत्र मंथन, सहित भाई-भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर शहर के पत्रकारों, उनके संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व राज्यमंत्री श्री आर.डी. जावा का 22 सितंबर को स्वर्गवास हो गया। उनके निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती माया देवी, पुत्र संदीप व पुत्री विक्ट्री व वंदना सिंह सहित पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

Vikram Arora
Managing Director

JK

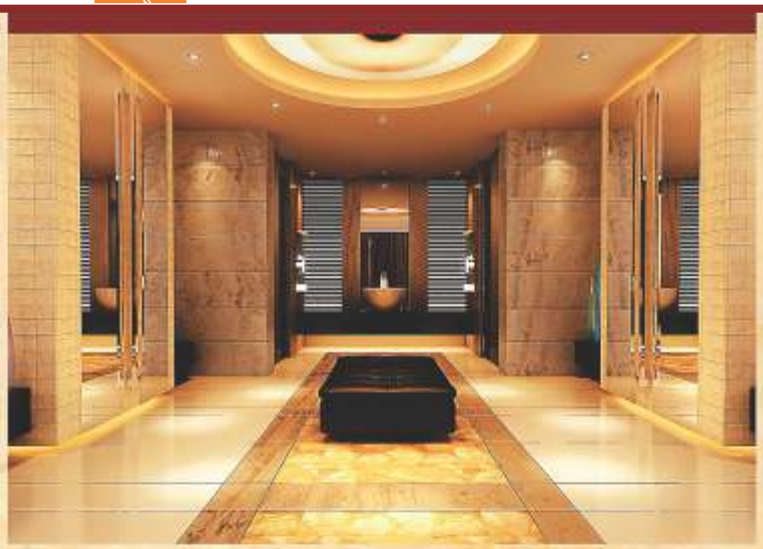

ARORA'S
JK NATURAL MARBLES LIMITED

ARORA GROUP
- ▲ Dairy
- ▲ Realty
- ▲ Mining
- ▲ Hospitality
- ▲ Distillery
- ▲ Trading

G-1, The IDEA Apartment, 14-A-1, New Fatehpura, Opp. Allahabad Bank
Udaipur - 313 004 (Raj.) India, Tel : +91 294-2414684 / 2810352

Corporate Office :
237, Ekta Co-operative Housing Society Ltd., Unit No. 1896
Motilal Nagar No. 1, Road No. 4, Opp. Ganesh Mandir Ground, Goregaon, West Mumbai - 400104

❙ www.jkmarble.com ❙ vikramarora@jkmarble.com

MIRAJ
WOW MEALS!

गर्म कीजिये और खाइये!
JUST HEAT AND EAT!

MIRAJ GROUP
SINCE 1987
आपका विश्वास ही हमारी पहचान

Ready to EAT

NO ADDED PRESERVATIVES
ADDED COLORS
ADDED FLAVOURS
PALM OIL

Online order on:
• www.mirajonlinestore.com
• amazon

Trade Enquiry :
9783 437 437

देशी घी से निर्मित

*T&C Apply

INTERNATIONALY CERTIFIED
BRCGS Food Safety
fssai
ISO
HACCP

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

1937
सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2025-26

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mob. : 9413263428, 9414353154

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Environmental Science
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science
Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course** : Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), Diploma and Certificate Courses in Astrology (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

Faculty of Commerce : Mob. : 9460372183, 9461180053

B.Com., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Mob. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, Renewable Energy

Faculty of Education - 9460693771

B.A.B.Ed. & B.Sc.B.Ed. (Four Year Integrated Course)

महाराणा कुम्भा कला केंद्र - 6376147607

भूषण, प्रभाकर प्रथम, द्वितीय (शिक्षा विभाग बीकानेर द्वारा संचालित)
डिप्लोमा : तबला, ढोलक, बांसुरी, ड्रम, कांगो, गिटार, हारमोनियम, केसियो

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 8209630249

• B.A • BA (Additional) • B.Lib MA (All Subjects) • MA (Music) • M.Com • M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths, Biotechnology/ Environmental Science) • MA / M.Sc (Psychology) • M.Lib • PG Diploma in Guidance counseling • PG Diploma in Mental Health Counselling • B.Ed in Special Education (ID) • B.Ed Special Education (HI) • D.Ed. Special Education (IDD) • D.Ed. Special Education (HI) • D.Ed. Special Education (VI) • (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2) • DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation) • DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval) • D.Lib • Diploma in Music • MPT (Master of Physiotherapy (eligibility: BPT) • BOT (Bachelor of Occupational Therapy (eligibility : 10+2 Science) • BA-BEd Special Education ID (ISITEP ID) (eligibility : 10+2) 5:48 PM

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Mob. 9352500445

M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S),

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

M.P.Ed., PG Diploma in Yoga.

Department of Law, Mob. 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law), Diploma in Criminal Psychology

जन शिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम निदेशालय, प्रतापनगर
(6376147607, 9414296535)

• कम्युनिटी सेंटर्स : बेदला, नाई, टीडी, खरपीणा, झाड़ोल (सराड़ा), सलूम्बर, कानपुर, साकरोदा
• कम्प्यूटर डिप्लोमा (1 वर्ष) • कम्प्यूटर में प्रमाणपत्र (6 माह) • सिलाई में प्रमाणपत्र (6 माह)

Department of Pharmacy - 9414869044, 9772982280, 9983938888

B. Pharm (4 year Degree Course), **D. Pharm** (2 year Diploma Course)

- आईआईआरएफ रैंकिंग 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर 37वां स्थान
- ईपीएसआई रैंकिंग 2024 में भारत के विश्वविद्यालयों में 32वां स्थान
- आईआईआरएफ रैंकिंग 2023 में प्रदेश में प्रथम
- इम्पैक्ट रैंकिंग में राजस्थान में द्वितीय स्थान
- यूनी रेंक में उदयपुर में पहला स्थान
- **RECENT IPR GRANTED**
  - **Patent : 28**
  - **Trade & Design: 40**
  - **Copyright : 5**
  - **Monograph, Book Chapter, Books, No. of Articles**

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Mob. 9950304204, 9414738278

Diploma in Engineering- Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science. BCA (AICTE APPROVED)

Faculty of Computer Science and Information Technology
Mob. 9414737125, 9461260408

B.C.A. (AICTE APPROVED), M.C.A.(AICTE APPROVED), M.Sc.(CS), P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy -
Mob. 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation, M.Sc. Osteopathy

Department of Nursing - Mob.9772982280, 7597348944
(2024-25 & 2025-26)

B.Sc. Nursing - 4 year G.N.M. Nursing - 3 year

Udaipur School of Social Work -
Mob. 8118806319, 9829445889

MSW, PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
MSW - Self Finance Evening Batch, PG Diploma in Labour Welfare

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Mob. 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology;
PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology, M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Mob.9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homoeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Mob. 9928253150, 8769746883

BHMS - 5 1/2 years Course (ADMISSION FROM ALL INDIA QUOTA)
M.D (Homoeopathic) 1:- PAEDIATRICS 2:- PRACTICE OF MEDICINE,
3 years regular course & Homoeopathic Pharmacy course, 2 years course & 1 year integrated course, PG diploma in yoga(Ayush system of Medicine)

Faculty of Management Studies (FMS)
Mob. 8112281461, 7737623462

M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri- Business / Family Business Management), M.H.R.M.

- BBA (Bachelor of Business Administration) - **9950489333**
- BBA (Travel & Tourism) Specialisation in Hotel Management (AICTE approved)
- Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
- Diploma in Hotel Management (Food Production)
- Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi College, Pratapnagar, Udaipur
Mob. : 9799693124, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc.,
M.A., M.com. : (All Subjects), Regular special classes for competitive exams (free of charges)

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Mob. 9414812900, 9414472016, 8306182436

बी.एड. (बाल विकास) B.Ed., M.Ed., M.A. Education, B.A.B.Ed., B.Sc.B.Ed. (4 Year Integrated), B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : **www.jrnrvu.edu.in**, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

SHIVA © 9828244344

नए साल की नई उम्मीद

SRG HOUSING FINANCE LTD
Always with you

हम दिल में घर बनाते हैं™

होम लोन

लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी

नवीनीकरण लोन

कंस्ट्रक्शन लोन

THE SRG EDGE

- सरल होम लोन
- त्वरित स्वीकृति एवं वितरण
- सरल दस्तावेज़ीकरण
- घर बैठे सेवाएँ एवं मार्गदर्शन

60+ BRANCHES | **14000+** DREAMS FULFILLED

SEAMLESS SERVICES WITHIN YOUR REACH

1800 121 2399

*T&C Apply

HEAD OFFICE:
Plot No. 12, Opposite Paras JK Hospital, Shobhagpura, Udaipur, Rajasthan - 313001

CORPORATE OFFICE:
1046, 10th Floor, Hubtown Solaris, N. S. Phadke Marg, Vijay Nagar, Andheri (E), Mumbai - 400 069
CIN No : L65922RJ1999PLC015440

srghousing.com
+91 800 3747 666
info@srghousing.com

RAJASTHAN | GUJARAT | MADHYA PRADESH | DELHI | MUMBAI

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 7, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001